

आज भी दिल्ली में जगह-जगह जुटे प्रदर्शनकारी... मेट्रो और रेल यातायात बहाल

सुप्रीम कोर्ट बोला- शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हिरासत में न लें, अवमानना का नोटिस

नई दिल्ली। एजेंसी

काँकरोच जनता पार्टी के दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान मेट्रो और इंटरनेट सेवाएं बंद करने और लोगों की हिरासत से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए, इंटरनेट बहाल किया जाना चाहिए और लोगों की आवाजाही पर रोक नहीं लगनी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 9 अक्टूबर के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का शनिवार को उल्लंघन हुआ। मेट्रो और रेलवे स्टेशन बंद रहे, ट्रैफिक एडवाइजरी जारी नहीं हुई और दायरे से बाहर भी लोगों को हिरासत में लिया गया। वकीलों ने इंटरनेट बंद होने, कर्फ्यू जैसे हालात और लोगों की आवाजाही बाधित होने का भी आरोप लगाया। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून में तय प्रक्रिया के बिना शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने वालों को हिरासत में नहीं लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद करने और लोगों को हिरासत में लेने के मामले में केंद्र और संबंधित अधिकारियों को अवमानना याचिका पर जवाब देने का नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अधिकारियों से हलफनामा दाखिल कर यह बताने को कहा कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं और सभी मेट्रो स्टेशन और ट्रेनें पूरी तरह चालू हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि

दीपके, सौरव और आशुतोष 23 घंटे बाद रिहा, एक साल शांति बनाए रखने की शर्त



सीनियर वकील बोले - मुझे चलती बस में फेंक दिया

सीनियर एडवोकेट शादान फरासत ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शनिवार को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ा और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने दावा किया कि उन्हें चलती बस में फेंक दिया गया। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन की याचिका का जिक्र करते हुए फरासत ने कहा कि यह मामला सिर्फ वकीलों के अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर नागरिक के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार से जुड़ा है। फरासत ने दिल्ली की स्थिति को दमनकारी बताते हुए कहा हम पुलिस स्टेट से बस एक कदम दूर थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रीय राजधानी में नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को बहाल करने की अपील की।

वकीलों, पत्रकारों और अन्य पेशेवरों के कामकाज में बाधा नहीं डाली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उसके परिसर और आसपास बीएनएसएस की धारा 163 लागू होने की सूचना देने वाले बोर्ड या नोटिस, अगर अब तक नहीं हटाए गए हैं,

तो उन्हें हटा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि इससे सुप्रीम कोर्ट और अन्य अदालतों में आने-जाने को लेकर किसी तरह की आशंका नहीं रहनी चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली में लोगों की आवाजाही कानून के मुताबिक सुचारु रूप से जारी रहनी चाहिए।

सीजेपी नेताओं ने भरा बेल बांड

इससे पहले सीजेपी लीडर अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को आज रिहा कर दिया गया। तीनों को दिल्ली कैंट में मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखने की शर्त पर रिहा किया। तीनों ने 50 रु हजार का बेल बॉन्ड भी भरा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था।

20 दिन में चौथी बार हुआ अटैक

सऊदी के रियाद एयरपोर्ट पर हमला धमाके से 12 की मौत, 300 घायल

» एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस ने उड़ानें रोकें

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फिर हमला हुआ है। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है।

अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि हमले के पीछे हूतियों के हाथ होने का शक है। उन्होंने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं। यमन में



हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना जमीन पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेना और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पर उनका दबदबा कम करना है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के व्यापार और तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है।

हमले के बाद ट्रम्प बोले- मैं खुश नहीं...

सऊदी अरब ने अपने एयरपोर्ट, सैन्य ठिकानों और तेल से जुड़ी जगहों पर हमलों के बीच अमेरिका और दूसरे सहयोगी देशों से मदद मांगी है। अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका की मदद में खुफिया जानकारी साझा करना, हमले के लिए ठिकानों की पहचान करना और सैन्य योजना बनाने में सहयोग देना शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह अच्छा नहीं है और मैं खुश नहीं हूँ। हालांकि, इन हमलों के जवाब में अमेरिका की ओर से सैन्य मदद देने का कोई संकेत नहीं मिला। अमेरिका ने फिलहाल इस संघर्ष से दूरी बनाई हुई है। सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी सऊदी हवाई क्षेत्र को लेकर अपनी चेतावनी बढ़ाई है। एजेंसी के मुताबिक, हूती विद्रोही अब सऊदी अरब के अंदर तक हमले करने में सक्षम हैं और उनका ध्यान एयरपोर्ट जैसे विमानन ठिकानों पर भी बढ़ा है।

न्यूज विंडो

पीएम में खुलासा: खून में थक्का जमने से आया था नाना को अटैक

पणजी। नाना पाटेकर की मौत की वजह

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आई है। डॉक्टरों ने उनकी मौत को प्राकृतिक बताया है। पाटेकर कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित थे। उनके दिल की मुख्य धमनी में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) जमने के कारण दिल के एक बड़े हिस्से में रक्त संचार रुक गया, जिससे उन्हें मैसिव हार्ट अटैक आया। मैसिव यानी गंभीर हार्ट अटैक के प्रभाव के कारण अंततः उनका दिल धड़कना बंद हो गया।

टीएमसी विधायक बिभास सरदार पर हमला, कार के शीशे तोड़े

प.बंगाल। बंगाल के बारहपूर ईस्ट से टीएमसी विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले उनकी कार का शीशा ईट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई।

केरलम में बेकाबू कार ने दोपहिया वाहन को मारी टक्कर, तीन की मौत कोच्चि। केरलम के कोच्चि में नेदुमस्सेरी हवाई अड्डे के पास एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। आज तड़के एक बेकाबू और तेज रफ्तार कार ने दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौतें पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बता दें कि यह दुर्घटना आज तड़के करीब 2 बजे नेदुमस्सेरी एयरपोर्ट के पास हुई।

आज का कार्टून



पीएम मोदी ने विजय के साथ किया मेट्रो में सफर

विधानसभा चुनावों के बाद मोदी का पहला तमिलनाडु दौरा

चेन्नई। एजेंसी

पीएम मोदी आज चेन्नई दौरे पर हैं। उन्होंने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन किया।

इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। इसके बाद मोदी ने इस रूट पर पूनमल्ली से

पोरु तक ट्रेन में सफर भी किया।

दौरे से पहले कई इलाकों में ड्रेन उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने मोनंबक्कम, गिंडी, कोट्टूपुरम, पोरु और नंदंबक्कम के आसपास के इलाकों को रेड जोन घोषित किया है। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है।



750 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं की शुरुआत

प्रधानमंत्री ने 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को देश को समर्पित किया। इनमें कराईकल-परलम रेलवे लाइन भी शामिल है, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा। इसके अलावा, कोयंबटूर और आसपास के इलाकों में तीन रेल पलाइओवर भी जनता को समर्पित किए जाएंगे। इन पलाइओवरों से व्यस्त रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाला जाम कम करने, लोगों का इंतजार घटाने और सड़क सुरक्षा बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मेट्रो एंकर

30 साल पहले आनंद कुमार ने बिना फीस पढ़ाया था, अब छात्र ने फोन कर ताजा कीं पुरानी यादें

आज केंद्र सरकार में है निदेशक... गुरु को नहीं भूला गरीब छात्र

पटना। एजेंसी

एक शिक्षक के लिए इससे बड़ी खुशी क्या होगी कि अभ्यास में पढ़ाया गया उसका छात्र जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करने के बाद भी उसे याद रखे। गणितज्ञ और सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार के साथ ऐसा ही भावुक अनुभव हुआ। करीब तीन दशक पहले उनसे गणित पढ़ने वाले बिदुर कांत झा ने जब उन्हें फोन किया, तो आनंद कुमार पुराने दिनों की यादों में खो गए। कभी पढ़ाई के लिए पैसे की कमी से जूझ रहे बिदुर आज भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। आनंद कुमार ने यह संस्मरण सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया है।



आनंद कुमार ने अपने संस्मरण में बताया कि बिदुर कांत झा से जुड़ी यादें उनके मन में आज भी ताजा हैं। उस समय एक दिन एक लड़का उनके दरवाजे पर आया था। उसके चेहरे पर संकोच था, लेकिन आंखों में आगे बढ़ने का सपना था। उसने आनंद कुमार से कहा कि उसके पास पढ़ाई के लिए पैसे नहीं हैं। आनंद कुमार ने उसे फीस की चिंता छोड़कर मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। उन्होंने लिखा कि वह उनके विद्यार्थी जीवन का दौर था। गणित पढ़ना उनका जुनून और दूसरों को

पढ़ाना उनका शौक था। बिदुर ने भी पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई की। आनंद कुमार के मुताबिक, समय के साथ दोनों की मुलाकातें छूट गईं और जिंदगी अपनी रफ्तार से आगे बढ़ती रही। लेकिन इतने वर्षों बाद बिदुर का फोन आया, तो पुराने दिनों की यादें फिर ताजा हो गईं। आनंद कुमार ने बताया कि बिदुर आज केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में निदेशक हैं। इतने महत्वपूर्ण पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने पुराने शिक्षक को याद किया और उनसे संपर्क किया।

उन्होंने अपने संस्मरण में लिखा कि जिस विद्यार्थी को कभी आर्थिक अभावों से लड़ते देखा था, उसे आज सफलता की ऊंचाइयों पर देखकर गर्व होता है।

हजारों युवाओं को मिली प्रेरणा

आनंद कुमार आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वर्ष 2002 में सुपर 30 कार्यक्रम शुरू किया था। इसके तहत चयनित विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने के साथ रहने और भोजन की सुविधा भी दी जाती रही है। सुपर 30 ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच पढ़ाई करने वाले अनेक विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया। बिदुर कांत झा का संस्मरण भी इसी बात को रेखांकित करता है कि समय पर मिला मार्गदर्शन और प्रोत्साहन किसी विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़, घटरस्थापना के साथ मां शैलपुत्री की पूजा

भोपाल। शक्ति की उपासना का 9 दिवसीय पर्व शारदीय नवरात्रि शुरू हो चुका है। पहले दिन घरों और मंदिरों में घटस्थापना के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जा रही है। शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू होगा। शहर के तलेया स्थित काली माता मंदिर, पीर गेट की कपर्जू वाली माता मंदिर और प्लेटिनम प्लाजा स्थित माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की तैयारियां की गई हैं। ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल के ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम के अनुसार, इस वर्ष पूरे नौ दिनों की नवरात्रि का संयोग है। नवरात्रि में प्रतिदिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार माता रानी का आगमन हाथी पर माना है, जिसे ज्योतिषीय मान्यताओं में शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

न्यूज विंडो

भोपाल मास्टर प्लान पर 837 दावे-आपत्तियां आईं, 119 सुझाव मिले

भोपाल। भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर शनिवार तक 837 दावे-आपत्तियां दर्ज हुईं, जबकि 119 सुझाव मिले। लोगों ने मुख्य मार्गों और सर्विस रोड से लगी कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति देने, अंदरूनी कॉलोनियों में प्रतिबंध लगाने और जल निकासों को अतिक्रमण से बचाने की मांग की है। किसानों ने कृषि भूमि पर निर्माण रोकने की बात कही। अवैध कॉलोनियों पर रोक और पुरानी इमारतों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, शक्रवार को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़स में रहने वाला युवक उसे बहाने से अपने घर ले गया और उसके साथ गलत हरकत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आठ साल की बच्ची के साथ की छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। शहर के एक थाना क्षेत्र में आठ साल की बच्ची के साथ पड़ोसी युवक द्वारा अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, शक्रवार को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़स में रहने वाला युवक उसे बहाने से अपने घर ले गया और उसके साथ गलत हरकत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

किस्त जमा करने की बात पर हमला आरोपियों को सात साल की सजा

भोपाल। लोन की किस्त जमा करने की बात पर फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट पर छुरी से हमला करने वाले भारत चिद्वार (38), दिनेश अहिरवार दोनों निवासी विदिशा को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने 7 साल के कारावास और 1000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी दिनेश ने फाइनेंस कंपनी से वाहन लोन लिया था। वह किसी नहीं दे रहा था। 3 अगस्त 2025 को आरोपियों ने एजेंट जाकिर खान पर हमला कर दिया था।

कमला नगर में दो नाबालिगों से चोरी की चार बाइक बरामद

भोपाल। कमला नगर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। मामले में राजपाल हाड़ा और समीर नाम के दो आरोपी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, सुदामा नगर निवासी प्रियंका सोरेन की बाइक चोरी हो गई थी। इसकी जांच के बाद पुलिस ने दो सदिग्धों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। उनकी निशानदेही पर चोरी के वाहन बरामद हुए।

निगम की कार्रवाई रोकने वाले पूर्व पार्षद के पति को 1 साल की सजा

भोपाल। सीएम हेल्पलाइन पर मिली शिकायत पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे नगर निगम कर्मचारियों पर दबाव बनाकर कार्रवाई रोकने के आरोप में नगर निगम वार्ड-63 की पूर्व पार्षद के पति सरदार कैथोरिया को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डिम्लल करणप ने 1 साल के साधारण कारावास और 1500 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने अन्य आरोपियों रामकुमार, हरीश, अर्जुन, शनि, विकास और चुन्नीलाल को सबूत के अभाव में बरी कर दिया है। बता दें नगर निगम की कार्रवाई के बीच आए दिन पार्षद पति आ जाते हैं।

मेट्रो एंकर

राजाभोज एयरपोर्ट पर स्वच्छता, पेयजल और पार्किंग सुविधाएं और बढ़ेंगी, दिव्यांगों-बच्चों को विशेष सहायता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजाभोज एयरपोर्ट पर 17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित यात्री सेवा अभियान का समाप्त हो गया। अभियान के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए एयरपोर्ट पर उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई तथा उनमें सुधार पर जोर दिया गया। विमानपतन निदेशक आलोक त्रिपाठी ने समापन अवसर पर फ्रंटलाइन स्टाफ से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की और यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यात्रियों को और बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी।



यात्रियों को स्वच्छ टर्मिनल, साफ वॉशरूम मिलेगा

अभियान के तहत यात्रियों को स्वच्छ टर्मिनल, साफ वॉशरूम, बैठने की बेहतर व्यवस्था, पेयजल, स्पष्ट दिशा-सूचक संकेतक और सहायता हेल्पडेस्क जैसी सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। दिव्यांग यात्रियों के लिए

विशेष सहायता, बच्चों वाले परिवारों के लिए बेबी-केयर रूम, बेबी स्ट्रोलर और बच्चों के खेलने के क्षेत्र की भी समीक्षा की गई। आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का लिया जायज लेकर व्यवस्था सुधारने पर जोर दिया गया



आज शाम से यहां देखिए झांकियां

कोटरा: दुल्हन स्वरूप में मां व भूतिया हवेली **लागत:** 1 करोड़ रुपए **खास:** 12 फीट ऊंची दुल्हन स्वरूप मां दुर्गा और मां कालरात्रि का स्वरूप। परिसर में अंधेरी गुफा, रक्तधारा और वाटर फॉल।

न्यू मार्केट: नागेश्वर धाम व बारह ज्योतिर्लिंग **लागत:** करीब 48 लाख रुपए **खास:** द्वारका (गुजरात) के नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की 60 फीट ऊंची प्रतिकृति बनाई गई है। समुद्र मंथन के प्रसंग भी झांकी में।

विजय मार्केट: कैची धाम से कामेश्वर महादेव **लागत:** करीब 40 लाख रुपए **खास:** तीन जुड़े पंडाल। पहले में कैची धाम व हनुमानजी, दूसरे में राजस्थान का कामेश्वर महादेव मंदिर, तीसरे में माता का दरबार।

कोलार: सर्वधर्म कॉलोनी में त्रिपुरसुदरी **लागत:** 21 लाख रुपए **खास:** त्रिपुरसुदरी मां एवं वैष्णो देवी, महाकाल, हनुमानजी और भैरो बाबा के दर्शन एक साथ होंगे।

69 चौराहों पर जांच, काली मंदिर तिराहे पर ज्यादा शोर सावधान! 47 चौराहों पर हट से ज्यादा शोर, ऐसा ही रहा तो बढ़ेगा लोगों का तनाव

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के चौराहों पर ट्रैफिक और हॉर्न का शोर तय सीमा पार कर रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) की जांच में 69 प्रमुख चौराहों में से 47 पर ध्वनि प्रदूषण निर्धारित मानक से ज्यादा मिला, जबकि 22 पर सीमा के भीतर रहा। सबसे ज्यादा औसत शोर काली मंदिर तिराहे पर 89.90 डेसिबल और अल्पना तिराहे पर 88.56 डेसिबल दर्ज हुआ। व्यावसायिक क्षेत्रों में दिन के समय निर्धारित सीमा 65 डेसिबल है। इस लिहाज से दोनों जगह क्रमशः 24.90 और 23.56 डेसिबल ज्यादा शोर मिला। पीसीबी ने 21 से 24 सितंबर 2026 के बीच सुबह 10 से शाम 6 बजे तक जांच की। नियम 5(4) के अलग आकलन में 21 चौराहों पर सीमा पार हुई।

लाउडस्पीकर बंद, इसके बाद भी शोर कम नहीं

मामला ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे सार्वजनिक लाउडस्पीकर की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता राशिद नूर खान की याचिका पर एनजीटी ने 21 मई 2026 को पीसीबी को ध्वनि स्तर की व्यापक जांच, ध्वनि मानचित्रण व उद्घोषणा तंत्र के नियमों की समीक्षा के निर्देश दिए थे। इसके बाद पीसीबी ने 21 से 24 सितंबर 2026 तक सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच चौराहों पर शोर मापा। याचिकाकर्ता के वकील



आम आदमी पर असर

यदि कोई यातायात पुलिसकर्मी, वाहन चालक, ठेला संचालक या दुकानदार रोज कई घंटे ऐसे शोर के बीच रहता है, तो उसका तनाव एक-दो मिनट वहां से गुजरने वाले व्यक्ति की तुलना में ज्यादा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा संस्थान ने काम के दौरान 85 डेसिबल के शोर पर 8 घंटे की सीमा सुझाई है। लंबे समय तक ऐसे शोर में खड़े रहने से कान, आंख में खराबी और मानसिक पीड़ा भी हो सकती है।

हर्षवर्धन तिवारी के मुताबिक, जांच में 69 में से 68 चौराहों पर लाउडस्पीकर बंद थे। सिर्फ कोलार तिराहे पर चालू मिला। ज्यादा शोर का कारण केवल लाउडस्पीकर होना साबित नहीं होता। वाहनों की आवाजही आसपास शोर बढ़ाती है। जांच में 22 चौराहों पर शोर तय सीमा के भीतर मिला। वहीं, नियम 5(4) के अलग आकलन में 21 चौराहों पर निर्धारित सीमा पार हुई।

तीन साल पहले गांजा तस्करी में पकड़ाया, कोर्ट ने सुनाई 8 महीने की सजा

भोपाल। गांजा की तस्करी के मामले में एनडीपीएस एक्ट की विशेष कोर्ट ने आरोपी चंदन उर्फ चंदू निवासी ग्राम फंदा खुर्द को दोषी पाया है। विशेष न्यायाधीश डॉ. मुकेश कुमार मलिक ने चंदन को आठ माह के कारावास और 1,000 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। शासन की ओर से मामले में विशेष लोक अभियोजक मनोज त्रिपाठी एवं विक्रम सिंह ने पैरवी की थी। 13 अगस्त 2023 को मुखबिर ने थाना खजुरी सड़क को सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने पिपलिया जोड़ ग्राम फंदा खुर्द पर आरोपी को गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। हालांकि तब उसने गांजा तस्करी से इनकार किया था। लेकिन जब्त गांजा और अन्य सबूत पुलिस ने जुटाए। कोर्ट में चालान पेश किया। इन्हीं सबूतों के आधार पर वह दोषी पाया गया।

बोर्ड ने अभिभावकों को प्रोत्साहित करने का दिया निर्देश

सीबीएसई स्कूलों में बच्चों की फीस डिजिटल माध्यम से ही होगी जमा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने संबद्ध स्कूलों को डिजिटल माध्यम से फीस प्राप्त करने की कार्यवाही करने और अभिभावकों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य डिजिटल माध्यम को बढ़ावा देना है।

बोर्ड ने 30 सितंबर 2026 को जारी परिपत्र में वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय की डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन योजना का हवाला दिया है। इसके तहत स्कूलों में फीस के अलावा कैंटीन, पुस्तकालय और अन्य सेवाओं के भुगतान के लिए भी यूपीआई और रुपए कार्ड सहित डिजिटल विकल्प उपलब्ध कराने की सलाह दी गई है।

घरवालों ने थाने में की शिकायत, समझौता कराने का आरोप भी लगाया

चौथी के बच्चे को प्रिंसिपल ने पीटा, पिता बोले- चेहरे पर चोट, सुनने में भी परेशानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के फादर एनेल स्कूल में चौथी कक्षा के छात्र से मारपीट का मामला सामने आया है। बच्चे के पिता उजेर अहमद ने गांधी नगर थाने में शिकायत की है। जिसमें बताया है कि स्कूल में प्रिंसिपल मनोहर काटा ने उनके बेटे के साथ मारपीट की है। बच्चे के चेहरे और कंधे पर चोट आई है। उसे सुनने में परेशानी हो रही है। बच्चे का हमोदिया अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया है।

पिता ने कहा- उस दिन स्कूल से घर लौट बच्चे ने बताया कि प्रिंसिपल मनोहर काटा ने उसके साथ मारपीट की

स्कूल प्रबंधन का पक्ष नहीं आया

मामले में फिलहाल स्कूल प्रबंधन और संबंधित प्रिंसिपल का पक्ष सामने नहीं आया है। पिता ने मांग की है कि मामले में निष्पक्ष जांच कर ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पुलिस जांच और मेडिकल रिपोर्ट से ही चोटों की प्रकृति तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की स्थिति स्पष्ट होगी।

है। उसने बताया कि मारपीट के दौरान वह माफी मांगता रहा, लेकिन प्रिंसिपल ने उसकी बात नहीं सुनी। बच्चे ने चेहरे और कंधे पर चोट के निशान हैं। घटना के बाद उसे कान से सुनाई नहीं दे रहा था। घर पहुंचने पर चक्कर आने से वह गिर गया। पिता उजेर अहमद के अनुसार, 8 अक्टूबर की रात 11 से

11:30 बजे वे गांधीनगर थाने पहुंचे और शिकायत दी। उनका कहना है कि इसके बाद से उन्हें जान चलने और मेडिकल रिपोर्ट मंगाए जाने की जानकारी दी जा रही है। पिता ने आरोप लगाया कि स्कूल से जुड़े एक व्यक्ति ने फोन कर समझौता करने के लिए कहा। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है।

ट्रैफिक प्रबंधन का मुआयना भी

डिजी यात्रा के उपयोग में सहायता, यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान, पार्किंग और यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सहायता, प्राथमिक उपचार, एम्बुलेंस तथा आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का जायजा लिया गया। कार्गो टर्मिनल में भी समीक्षा की गई। आपातकालीन मूलभूत सुविधाओं की जांच की गई। एयरलाइंस, सीआईएसएफ, ग्राउंड

हैंडलिंग एजेंसियों और अन्य संबंधित टीमों के साथ संयुक्त निरीक्षण कर सुविधाओं एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया गया। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि अभियान के जरिए एयरपोर्ट पर यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना और सेवाओं के स्तर में लगातार सुधार करना है।

जांच टीम को कॉलेज के पास फूड लाइसेंस भी नहीं मिला मैनित में भी खाने की क्वालिटी खराब! जले तेल से 3 बार बनाया खाना, 12 छात्र बीमार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनित) के हॉस्टल नंबर-10 की मैस में छात्रों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां खाना खाने के बाद एक दर्जन छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैस की जांच की तो खाना बनाने में दो से तीन बार इस्तेमाल होने वाले तेल और आरओ पानी के टैंक में गंदगी की बात सामने आई। जांच के दौरान मैस का फूड लाइसेंस भी नहीं मिला।



खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैस का निरीक्षण कर वहां इस्तेमाल हो रही खाद्य सामग्री के नमूने लिए। इनमें उड़द दाल, मूंगफली दाना, मोटी सेवई, चना दाल, छोला, चावल और तुअर दाल शामिल हैं। इन नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

मैस में जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले

जांच के दौरान साफ-सफाई ही नहीं देखी। जरूरी दस्तावेज की कमी भी सामने आई। टीम को मैस का फूड लाइसेंस नहीं मिला। कर्मियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र, पेस्ट कंट्रोल और खाद्य सुरक्षा संबंधी ट्रेनिंग के दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। जांच में पता चला कि खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले तेल का दो से तीन बार उपयोग किया जाता है। आरओ वाटर टैंक में गंदगी मिली। टीम ने मैस संचालक को सफाई रखने और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

लगातार व्यावसायिक बैठकों से बने साझेदारी के नए रास्ते

मप्र ट्रेवल मार्ट में 3,729 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, पर्यटन को मिलेगी वैश्विक उड़ान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में आयोजित चार दिवसीय मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट-2026 का समापन हो गया। इस आयोजन में प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए लगभग 3,729 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि देश-विदेश के पर्यटन कारोबारियों के बीच 10,263 व्यावसायिक बैठकें हुईं। मार्ट में 34 देशों के 100 से अधिक विदेशी और देश के 15 राज्यों के 180 से अधिक घरेलू टूर ऑपरेटरों ने भाग लिया। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े होटल व्यवसायियों, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को एक मंच पर लाने वाले इस आयोजन में 177 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए। वन्यजीव, ऐतिहासिक धरोहर, आध्यात्मिक स्थलों, साहसिक गतिविधियों और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया।

ट्रेवल मार्ट में इस वर्ष कुल 10,263 व्यावसायिक बैठकें हुईं, जबकि पिछले वर्ष लगभग 9,000 बैठकें हुई थीं। इस तरह बैठकों में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन संचालकों, होटल व्यवसायियों और ग्रामीण आवास संचालकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जुड़ने का अवसर मिला। इससे भविष्य में पर्यटन कारोबार और निवेश के नए समझौते होने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस बार 34 देशों के 100 से अधिक विदेशी टूर ऑपरेटरों ने सहभागिता की। पिछले वर्ष 27 देशों के लगभग 90 विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने प्रदेश की जैव विविधता, ऐतिहासिक स्मारकों और पर्यटन स्थलों में रुचि दिखाई। वहीं, देश के 15 राज्यों से 180 से अधिक घरेलू टूर ऑपरेटर पहुंचे।



सीहोर में 848 करोड़ की पर्यटन परियोजना

निवेश प्रस्तावों में सीहोर जिले के रामगढ़ में एआरएम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की 848.40 करोड़ रुपए की परियोजना प्रमुख रही। कंपनी के चेयरमैन एवं निदेशक अतुल अग्रवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित परियोजना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स, विला, आरोग्य केंद्र और

विलासिता सुविधाओं वाला होटल विकसित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में 920 से अधिक कुशल और अकुशल युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। राजसन होटल्स प्राइवेट लिमिटेड और मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के बीच 520 करोड़ रुपए के निवेश का समझौता हुआ। कंपनी के

निदेशक विनोद सिंह राजपुरोहित की कार्ययोजना के अनुसार बांधवगढ़, सतपुड़ा और कान्हा बाघ अभयारण्यों के आसपास आधुनिक वन्यजीव पर्यटन रिसॉर्ट विकसित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से लगभग 375 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

होटल, रिसॉर्ट और वेलनेस परियोजनाओं पर जोर

एएमोसफियर समूह ने उज्जैन, इंदौर और वन्यजीव क्षेत्रों में 500 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया। रेनी समूह ने मांडू की लगभग 350 वर्ष पुरानी लुनेरा सराय को 130 करोड़ रुपए की लागत से 'वेलकमहोटल बाय आईटीसी' के रूप में विकसित करने की योजना प्रस्तुत की। खजुराहो के कुटनी बांध पर जलतटीय रिसॉर्ट सहित 290 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए। वहीं, सर्व समूह ने मढ़ई में 'ताज सफारीज' के साथ 100 करोड़ रुपए के अति-विलासिता रिसॉर्ट सहित कुल 300 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव रखा। एमआरवीएच रिसॉर्ट्स के निदेशक जितेंद्र सिंह के अनुसार, ऑक्टोबर में 200 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा 'रमाडा रिसॉर्ट बाय विंडहेम' वर्ष 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है, ताकि सिंहस्थ-2028 से पहले इसे शुरू किया जा सके। कंपनी अन्य स्थलों पर भी 150 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करेगी।

ग्रामीण पर्यटन को बाजार से जोड़ेंगे

प्रदेश के ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'ग्राम स्टे' के साथ समझौता किया गया। इसके माध्यम से ग्रामीण आवास संचालकों को अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन बुकिंग मंचों से जोड़ने की योजना है, ताकि ग्रामीण परिवारों को पर्यटन से सीधे आर्थिक लाभ मिल सके। वहीं, एक्सलर्जर के साथ हुए समझौते के तहत 100 प्रमुख पर्यटन स्थलों पर 1,000 व्युआर कोड आधारित सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बहुभाषी पर्यटक सहायता विकसित करने की भी योजना है। मध्यप्रदेश को प्रमुख फिल्म निर्माण केंद्र बनाने के उद्देश्य से डिजिटल सामग्री निर्माण कंपनी 'द वायरल फीवर' और केंआरएआरके फैमिली ऑफिस के साथ समझौता किया गया।

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की नई पहल

अनाथ बच्चों की शिक्षा के लिए 21 रु.लाख से अधिक की सहायता देने घोषणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड ने मुस्लिम समाज के अनाथ (यतीम) बच्चों की शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रखने के उद्देश्य से ऐतिहासिक निर्णय लिया है।योजना के अंतर्गत भोपाल में निवासरत ऐसे 289 बच्चों की स्कूल फीस के लिए 21 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक चयनित बच्चे की पढ़ाई के लिए 10 हजार रुपये तक की फीस का भुगतान वक्फ बोर्ड द्वारा सीधे किया जाएगा। यह सहायता राशि मंगलवार, 13 अक्टूबर को वक्फ बोर्ड कार्यालय परिसर स्थित यतीमखाना ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा सामाजिक कल्याण, शैक्षणिक उत्थान एवं निरंतर प्रगति के संकल्प को दोहराते हुए एक अभूतपूर्व एवं अनुकरणीय पहल की गई है।

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यतीमखाना संपत्ति से प्राप्त आय का उपयोग वाकिफ (दानदाता) की मूल मंशानुरूप भोपाल के यतीम (अनाथ) बच्चों की भलाई और शैक्षणिक विकास के लिए किया जा रहा है। योजना का लाभ सभी पात्र बच्चों



अवैध कज्जों से मुक्ति और वक्फ संपत्तियों का जनहित में उपयोग

अध्यक्ष मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि नए वक्फ संशोधन प्रावधानों के बाद राज्य में वक्फ संपत्तियों को अवैध कज्जों से मुक्त कराने का सघन अभियान चलाया गया है। संपत्तियों से प्राप्त हो रही वैध आय का ही परिणाम है कि इतनी बड़ी संख्या में जरूरतमंद और अनाथ बच्चों के भविष्य को संवारने में इस राशि का उपयोग बच्चों की स्कूल फीस भरने में किया जा रहा है।

तक पहुँचाने के लिए बोर्ड द्वारा प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापि प्रकाशित कर आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के सूक्ष्म परीक्षण एवं निष्पक्ष पारदर्शी सत्यापन के बाद 289 विद्यार्थियों को सहायता के लिए योग्य पाया गया।

देशभर में मिसाल बना मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड

यह संपूर्ण देश में अपनी तरह का पहला और अनूठा नवाचार है, जहाँ कोई राज्य वक्फ बोर्ड अपनी अर्जित आय का सीधे उपयोग मुस्लिम समाज के अनाथ एवं वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कर रहा है। बच्चों की शिक्षा को निरंतर जारी रखने के पवित्र उद्देश्य के साथ किया जा रहा यह प्रयास न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में सामाजिक सरोकार और जनकल्याण की एक अनुकरणीय मिसाल पेश करता है।

रियल एस्टेट में छा गई प्रदेश की महिलाएं

प्रॉपर्टी बाजार में नारी शक्ति का दबदबा पहली तिमाही में 43 फीसदी पंजीयन

मध्यप्रदेश में महिलाओं

के नाम 43 प्रतिशत की प्रॉपर्टी रजिस्ट्री हुई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वह जमाना बीत गया जब बड़ी भू-संपत्तियों के स्वामित्व पर पुरुषों का प्रभुत्व था और महिलाएं चूल्हे-चौके, घर गहस्थी के कामों तक सीमित थीं। पिछले पांच वित्तीय वर्ष के आंकड़ों की बात करें तो अब प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त में नारी शक्ति का दबदबा बढ़ रहा है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में जून तक कुल 49 हजार 311 प्रॉपर्टी के दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए हैं, जिनमें से 16 हजार 888 यानि 34 प्रतिशत पुरुषों के नाम, जबकि 21 हजार 228 यानि 43 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर हैं। यह आंकड़े हर साल बढ़ते जा रहे हैं, इससे स्पष्ट है कि जमीन, प्लाट, मकान आदि की खरीदी महिलाओं के नाम पर की जा रही है।इस बार भी यह आंकड़े वित्तीय वर्ष के अंत तक लाखों में पहुंचने की उम्मीद है।

बता दें कि मध्य प्रदेश में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाने पर पुरुषों को 12.5 प्रतिशत शुल्क चुकाना होता है, जबकि महिलाओं को दो प्रतिशत कम 10.5 प्रतिशत शुल्क चुकाना पड़ता है। इसी का लाभ लेने के लिए लोग घर की महिलाओं के नाम प्रॉपर्टी के सौदे कर रहे हैं और उनके नाम प्रॉपर्टी की रजिस्ट्रियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो प्रदेश भर में करीब नौ लाख 44 हजार 549 प्रॉपर्टी के दस्तावेज रजिस्टर्ड किए गए थे, जिनमें सबसे अधिक 44 प्रतिशत घर लाख 22 हजार पांच महिलाओं के नाम रजिस्टर्ड किए गए थे।



कोरोना के बाद से बड़ी महिलाओं के नाम खरीदी

मध्यप्रदेश में कोरोना काल के पहले तक प्रॉपर्टी में खरीद-फरोख्त पुरुषों के नाम ही अधिक थी, लेकिन इसके बाद से महिलाओं के नाम पर तेजी से खरीद-फरोख्त की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में कुल 6 लाख 92 हजार 36 रजिस्ट्री हुई थी, जिनमें से 4 लाख 34 हजार 549 पुरुषों के नाम यानि 62 प्रतिशत और 1 लाख 93 हजार 171 यानि 27 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर दर्ज हुई थी। इसके बाद कोरोना काल समाप्त होते ही वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 7 लाख 73 हजार 699 रजिस्ट्री हुई थी, जिनमें से 3 लाख 99 हजार 875 यानि 51 प्रतिशत पुरुषों के नाम और 3 लाख 23 हजार 359 प्रतिशत यानि 41

प्रतिशत महिलाओं के नाम रजिस्ट्री हुई थी।इसके बाद से महिलाओं के नाम रजिस्ट्री का आंकड़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में प्रॉपर्टी की दरें हर साल बढ़ती जा रही हैं, जिससे प्लाट, जमीन, दुकान सहित अन्य प्रॉपर्टी को खरीदना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में लोग जो भी प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो वह घर की महिलाओं के नाम करते हैं। इससे जब भी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाना रहता है तो उसके शुल्क में छूट का लाभ आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा जमीन पर किसी भी तरह का उद्योग या व्यवसाय शुरू करना होता है तो महिलाओं को फाइनेंस कंपनियों से अच्छी मदद मिल जाती है।

भू-संपत्ति पंजीयन के वर्षवार आंकड़े

वित्तीय वर्ष	कुल रजिस्ट्री	महिलाओं के नाम	प्रतिशत (%)
2021-22	7,73,699	3,23,359	41.79%
2022-23	8,23,400	3,57,337	43.39%
2023-24	8,83,648	3,94,773	44.69%
2024-25	10,17,512	4,79,857	47.16%
2025-26	9,44,549	4,22,005	44.68%
2026-27*	49,311	21,228	43.05%

नोट:- सभी आंकड़े पंजीयन विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के आंकड़े केवल पहली तिमाही (अप्रैल से जून) तक के हैं।

कृष्ण-मृग स्थानांतरण अभियान का दूसरा चरण हुआ प्रारंभ



भोपाल। शाजापुर-शुजालपुर क्षेत्र में कृष्ण-मृगों (ब्लैकबक) को पकड़ने और स्थानांतरित करने के अभियान का दूसरे चरण का शनिवार को प्रारंभ किया गया। अभियान के पहले दिन हज़ूखेड़ी में 97 कृष्णमृगों को सफलतापूर्वक पकड़ा गया। इन्हें अनुकूल वन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए कूनों राष्ट्रीय उद्यान रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में लंबे समय से फसलों को नुकसान पहुंचा रहे वन्य प्राणियों के कारण किसानों और ग्रामीणों को होने वाली परेशानियों को कम करना है। कृष्ण-मृगों को उनके अनुकूल वन क्षेत्रों में स्थानांतरित करने से मानव-वन्य प्राणी संघर्ष और फसल क्षति कम करने के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण में कुल 2 हजार कृष्ण-मृगों के स्थानांतरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

दो साल से खाली पड़ा है माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष का पद

भोपाल। मध्य प्रदेश में मिट्टी के बर्तन, मूर्तियां, खिलौने और ईंट बनाकर आजीविका चलाने वाले प्रजापति समाज के सामने रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। समाज के हितों की रक्षा और पारंपरिक मिट्टी कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गठित माटी कला बोर्ड में पिछले दो वर्षों से अध्यक्ष और सदस्यों के पद खाली होने का मुद्दा अब फिर उठया गया है। कुंभकार संघ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बोर्ड में जल्द नियुक्तियां करने की मांग की है। अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश आहिलिया ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2008 में माटी कला बोर्ड का गठन किया गया था। इसका उद्देश्य मिट्टी का काम करने वाले परिवारों के व्यवसाय को बढ़ावा देना, उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

मप्र में ओबीसी आरक्षण पर सियासत तेज

जीतू पटवारी और उमंग सिंघार बोले- सरकार की मंशा में खोट, कोर्ट में कमजोर रही पैरवी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि भाजपा सरकार ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए आवश्यक गंभीरता नहीं दिखाई। सरकार न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष और आंकड़े प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रही। जो सरकार की मंशा और पैरवी पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा की ओबीसी आरक्षण को लेकर नीतियों और कार्यप्रणाली में अंतर है।

जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान 27 प्रतिशत आरक्षण की पहल की गई थी, भाजपा के कार्यकाल में इस दिशा में अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। ओबीसी को 27



प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाएगी। बता दें हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत ही रखने का निर्णय लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस के वकीलों को भी पैरवी में शामिल करने का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार ने इस सुझाव पर क्या निर्णय लिया, स्पष्ट किया जाना चाहिए।

वोट चोरी पर सरकार चुप

उमंग सिंघार ने कहा कि देश में वोट चोरी और मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को जवाब देना चाहिए। भाजपा सरकार ने ओबीसी समाज से समर्थन तो लिया, लेकिन उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई। सवाल यह है कि सरकार ने न्यायालय में ओबीसी आरक्षण के पक्ष में अपना पक्ष कितनी मजबूती से रखा। उच्च न्यायालय के आदेश का विस्तार से अध्ययन करने पर कई गंभीर सवाल सामने आते हैं

तीर्थस्थलों की तर्ज पर महर में अब मिलेगा महाभोग प्रसाद

मां शारदा मंदिर समिति बेचेगी देसी घी के लड्डू

मैहर, दोपहर मेट्रो

देश के प्रमुख और प्रसिद्ध शक्तिपीठों व तीर्थस्थलों की तर्ज पर अब मैहर स्थित मां शारदा देवी धाम में भी श्रद्धालुओं को विशेष महाभोग प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। मां शारदा मंदिर प्रबंध समिति ने इस बार शारदीय नवरात्र मेले में पहली बार शुद्ध देसी घी से बने बेसन के लड्डू का महाभोग प्रसाद आधिकारिक काउंटरो के जरिए वितरित करने की नई शुरुआत की है। फिलहाल यह व्यवस्था नवरात्रि 10 दिनों के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है, जिसे आगे चलकर पूरे साल के लिए स्थाई रूप से लागू किया जाएगा।

250 ग्राम का पैकेट, 150 रुपए दर निर्धारित

मंदिर समिति की प्रशासक एवं मैहर एसडीएम दिव्या पटेल ने बताया कि देश के कई विख्यात मंदिरों में वहां का एक विशेष प्रसाद श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध रहता है। इसी तर्ज पर काम करते हुए मां शारदा मंदिर में भी महाभोग लड्डू प्रसाद की व्यवस्था लागू की गई है। श्रद्धालुओं को 250 ग्राम का डिब्बा 150 रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। यह लड्डू पूरी तरह शुद्ध देसी घी और बेसन से तैयार किए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर

कॉलेजों में कानून का पाठ पढ़ेंगे युवा, 22 से शुरू होगा अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

युवाओं को कानून की समझ, सुरक्षा के प्रति सजगता और नागरिक जिम्मेदारियों का बोध कराने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस और उच्च शिक्षा विभाग ने संयुक्त पहल शुरू की है। 'जन सुरक्षा युवा सोजन संवाद' के माध्यम से प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर जागरूक किया जाएगा। पहले चरण में यह कार्यक्रम प्रदेश के 500 कॉलेजों तक पहुंचेगा। कॉलेजों में इसकी शुरुआत 22 अक्टूबर से होगी। कार्यक्रम को



व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए 10 अक्टूबर से भोपाल के राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में प्राध्यापकों और पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं को केवल कानूनों की सैद्धांतिक जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें रोजमर्रा की चुनौतियों से निपटने और सही निर्णय

लेने के लिए सक्षम बनाना है। विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के साथ कर्तव्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दूसरों के अधिकारों के सम्मान के बारे में भी बताया जाएगा।

साइबर अपराध से लेकर महिला सुरक्षा तक की जानकारी

कार्यशालाओं में सविधान, मौलिक अधिकार, नागरिक कर्तव्य, पुलिस की कार्यप्रणाली, साइबर अपराध, डिजिटल सुरक्षा, यातायात नियम और सड़क सुरक्षा जैसे विषय शामिल होंगे। इसके अलावा लैंगिक हिंसा की रोकथाम, नशे से दूरी, मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर भी चर्चा होगी। विद्यार्थियों को साइबर दंगी से बचने, ऑनलाइन अपराधों की पहचान करने और जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के उचित माध्यमों की जानकारी दी जाएगी।

ब्लंडे

लाइफ

भोपाल, रविवार, 11 अक्टूबर 2026

शारदीय नवरात्र

रंगों का यह संसार केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है। मनोविज्ञान में भी रंगों और मानवीय भावनाओं के बीच संबंध का अध्ययन किया जाता है। किसी रंग को देखकर व्यक्ति को शांति, उत्साह, गर्मजोशी या ताजगी का अनुभव हो सकता है।

नौ दिनों के नौ रंग और इनका मनोविज्ञान

रंगों का होता है मन पर भी असर

नवरात्र केवल देवी की आराधना, व्रत और पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह रंगों, भावनाओं और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा उत्सव भी है। इन नौ दिनों में घरों से लेकर मंदिरों तक सजावट में रंगों की खास भूमिका दिखाई देती है। कहीं लाल चुनरी में सजी मां दुर्गा की प्रतिमा भक्तों का ध्यान खींचती है, तो कहीं पीले, हरे, गुलाबी और नीले परिधानों में उत्सव की रौनक नजर आती है। नवरात्र के दौरान अलग-अलग दिन विशेष रंग पहनने की परंपरा भी लोकप्रिय है। हालांकि नौ दिनों के रंगों का क्रम क्षेत्र, पंचांग और प्रचलित परंपराओं के अनुसार बदल सकता है।

रंगों का यह संसार केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं है। मनोविज्ञान में भी रंगों और मानवीय भावनाओं के बीच संबंध का अध्ययन किया जाता है। किसी रंग को देखकर व्यक्ति को शांति, उत्साह, गर्मजोशी या ताजगी का अनुभव हो सकता है। हालांकि रंगों का प्रभाव हर व्यक्ति पर एक जैसा नहीं होता। उसकी संस्कृति, निजी अनुभव, पसंद और उस समय की मनोदशा भी इस अनुभव को प्रभावित करती है। यही वजह है कि नवरात्र के रंगों को आस्था के साथ-साथ जीवनशैली और मन की भावनाओं से जोड़कर भी देखा जा सकता है।

लाल से सफेद तक, हर रंग की अपनी कहानी

नवरात्र में लाल रंग का विशेष महत्व माना जाता है। यह मां दुर्गा की शक्ति, साहस और ऊर्जा से जुड़ा है। लाल चुनरी, सिंदूर और पूजा की सजावट में इस रंग का व्यापक उपयोग होता है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से लाल रंग ध्यान आकर्षित करने वाला रंग है। कुछ परिस्थितियों में यह उत्साह और सक्रियता का अनुभव करा सकता है, लेकिन इसकी अधिकता कुछ लोगों को तीव्र या उत्तेजक भी लग सकती है। पीला रंग प्रसन्नता, आशा और उजाले का प्रतीक माना जाता है। भारतीय परंपरा में इसका संबंध शुभता और ज्ञान से भी जोड़ा जाता है। हरा रंग प्रकृति, नई शुरुआत और विकास की याद दिलाता है। पेड़-पौधों और खुले वातावरण के बीच समय बिताना कई लोगों को सुकून देता है। इसी तरह नीला रंग आकाश और पानी की याद दिलाता है, जबकि सफेद रंग शांति, सादगी और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। गुलाबी रंग को कोमलता, स्नेह और अपनत्व से जोड़ा जाता है। नारंगी रंग उत्साह और उमंग का भाव पैदा कर सकता है। वहीं बैंगनी रंग को कई सांस्कृतिक परंपराओं में गरिमा और विशिष्टता से जोड़ा जाता है। इन अर्थों को निश्चित वैज्ञानिक नियम नहीं समझना चाहिए। ये मुख्य रूप से सांस्कृतिक प्रतीकों और लोगों के अनुभवों से विकसित धारणाएं हैं।

Day 1 – Grey (Maa Shailputri)
Day 2 – Orange (Maa Brahmacharini)
Day 3 – White (Maa Chandraghanta)
Day 4 - Red (Maa Kushmanda)
Day 5 – Royal Blue (Maa Skandamata)
Day 6 – Yellow (Maa Katyayani)
Day 7 – Green (Maa Durga)
Day 8 – Peacock Green (Maa Mahagauri)
Day 9 – Purple (Maa Siddhidatri)

रंग प्रभावित करते हैं हमारी मनोदशा

रंगों को देखकर हमारे मन में बनने वाली प्रतिक्रिया कई बातों पर निर्भर करती है। चमकीले रंग किसी उत्सव में जीवंतता का अनुभव बढ़ा सकते हैं, जबकि हल्के रंग शांत और सादगीपूर्ण वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि घरों, कपड़ों, पूजा स्थलों और सार्वजनिक आयोजनों की सजावट में रंगों का सोच-समझकर चयन किया जाता है। रंगों का प्रभाव केवल उन्हें देखने तक सीमित नहीं रहता। किसी खास रंग का कपड़ा पहनने से व्यक्ति को आत्मविश्वास या उत्सव में शामिल होने का आनंद महसूस हो सकता है। नवरात्र में जब परिवार के सदस्य एक तय रंग के कपड़े पहनते हैं, तो उनके बीच सहभागिता और सामूहिक उत्साह की भावना भी मजबूत हो सकती है। यहां रंग का महत्व उसके मनोवैज्ञानिक असर के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव में भी दिखाई देता है। हालांकि यह मानना सही नहीं होगा कि कोई एक रंग तनाव दूर कर सकता है या दूसरे रंग से मनोदशा निश्चित रूप से बदल जाती है। रंग मन के अनुभव को प्रभावित करने वाला एक कारक हो सकते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन कई अन्य बातों पर भी निर्भर करते हैं।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

रंगों के प्रभाव को समझते समय व्यक्ति को पसंद और उसके अनुभवों को महत्व देना चाहिए। किसी को हरा रंग देखकर प्रकृति और शांति का अनुभव हो सकता है, जबकि किसी दूसरे व्यक्ति को वही रंग सामान्य लग सकता है। इसलिए नवरात्र में रंगों को मनोदशा सुधारने का अचूक उपाय मानने के बजाय उन्हें उत्सव, रचनात्मकता और सकारात्मक अनुभवों का माध्यम समझना अधिक उचित है। रंग मनोविज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञ भी सामान्यतः इस बात पर जोर देते हैं कि रंगों की प्रतिक्रिया परिस्थिति और व्यक्ति के अनुसार बदल सकती है। यदि किसी खास रंग के कपड़े पहनकर आप सहज, प्रसन्न और आत्मविश्वासी महसूस करते हैं, तो त्योहार में उसे चुनना अच्छा विकल्प हो सकता है।

उत्सव को बनाएं खास

नवरात्र के दौरान रंगों को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करने के कई आसान तरीके हैं। पूजा स्थल पर फूलों और कपड़ों की सजावट में अलग-अलग रंगों का उपयोग किया जा सकता है। परिवार के सदस्य अपनी पसंद के अनुसार दिन का रंग चुन सकते हैं। बच्चे रंगों के माध्यम से देवी के नौ स्वरूपों, प्रकृति और भारतीय संस्कृति के बारे में जान सकते हैं। घर की सजावट में फूल, दीप, रंगोली और पारंपरिक वस्त्र उत्सव का वातावरण और आकर्षक बना सकते हैं। कार्यालयों और सामूहिक आयोजनों में भी रंगों के माध्यम से लोगों को जोड़ने की परंपरा लोकप्रिय हो रही है। एक ही रंग के परिधान पहनने से समूह में एकरूपता और सहभागिता का भाव बन सकता है। हालांकि इसमें किसी पर रंग या कपड़े थोपने के बजाय उसकी सहजता और व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करना चाहिए।

उत्सव का असली संदेश

नवरात्र के नौ रंग हमें विविधता में एकता का संदेश भी देते हैं। हर रंग अलग है, लेकिन सभी मिलकर उत्सव को जीवंत बनाते हैं। इसी तरह समाज में अलग-अलग विचारों, स्वभावों और पसंद वाले लोगों के बीच समान और सहयोग जरूरी है। देवी के विभिन्न स्वरूप शक्ति, साहस, करुणा और साधना जैसे मूल्यों की याद दिलाते हैं। इन मूल्यों को जीवन में उतारना ही त्योहार की सार्थकता को बढ़ाता है।

जीवन - ज्योति

ध्यान का अर्थ आंखें बंद करना नहीं, अपने भीतर जागना है

सिस्टर बीके शिवानी

मोटिवेशनल स्पीकर



हम अक्सर समझते हैं कि ध्यान का अर्थ है आंखें बंद करके एक जगह बैठ जाना, मन को विचारों से खाली कर देना और कुछ देर दुनिया से दूर हो जाना। लेकिन क्या सचमुच ध्यान का यही अर्थ है? मेरे अनुसार, ध्यान का वास्तविक अर्थ है अपने भीतर जागना, अपने विचारों को समझना और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानना। आंखें बंद करना ध्यान की एक विधि हो सकती है, लेकिन आंखें बंद कर लेने से मन शांत हो जाए, यह जरूरी नहीं है। कई बार बाहर से शांत बैठे होने पर भी हमारे भीतर विचारों का शोर चलता रहता है।

मैं जब ध्यान की बात करती हूं, तो सबसे पहले स्वयं को समझने की बात करती हूं। हम दिनभर दूसरों को देखते हैं, उनके व्यवहार पर प्रतिक्रिया देते हैं और उनकी गलतियों पर विचार करते रहते हैं। लेकिन क्या कभी कुछ पल अपने भीतर झांककर देखते हैं कि हमारे मन में क्या चल रहा है?

किसी ने कुछ कह दिया, तो हमें गुस्सा क्यों आया? किसी ने हमारी प्रशंसा नहीं की, तो हम दुखी क्यों हो गए? इन सवालों के जवाब बाहर नहीं, हमारे भीतर मिलते हैं। ध्यान हमें इसी आंतरिक संसार से परिचित कराता है।

मन को शांत करने से पहले विचारों को समझना जरूरी: हमारा मन दिनभर अनेक विचार पैदा करता है। कुछ विचार बीते हुए कल से जुड़े होते हैं, कुछ आने वाले कल की चिंता से और कुछ दूसरों के व्यवहार से। हम वर्तमान में होते हुए भी कभी अतीत में जीते हैं, तो कभी भविष्य की कल्पनाओं में उलझे रहते हैं। परिणाम यह होता है कि हमारे पास सब कुछ होते हुए भी मन में शांति नहीं रहती। मैं अपने विचारों को अपनी आंतरिक दुनिया का आधार मानती हूं। जैसी हमारी सोच होती है, वैसा ही हमारा अनुभव बनने लगता है। यदि हम हर परिस्थिति में नकारात्मकता खोजेंगे, तो मन अशांत रहेगा। इसके विपरीत, यदि हम धैर्य और समझदारी से परिस्थिति को देखना सीखें, तो कठिन समय में भी संतुलित रह सकते हैं। ध्यान का अभ्यास हमें विचारों के प्रति सजग बनाता है। हम हर विचार के पीछे भागने के बजाय यह समझना सीखते हैं कि कौन-सा विचार हमारे लिए उपयोगी है और किसे छोड़ देना चाहिए।

ध्यान कोई क्रिया नहीं, स्वयं को पहचानने की यात्रा है: मैं यह मानती हूं कि ध्यान केवल कुछमिनट बैठने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका वास्तविक लाभ तब मिलता है, जब हम दिनभर अपने विचारों, शब्दों और व्यवहार के प्रति जागरूक रहते हैं। सुबह कुछ समय शांत बैठकर स्वयं को याद दिलाएं कि मैं शांत स्वरूप आत्मा हूं, मुझे हर परिस्थिति में अपनी शांति बनाए रखनी है। इसके बाद जब दिन में कोई चुनौती आए, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछक्षण रुकें और सोचें कि मुझे किस तरह व्यवहार करना है। आध्यात्मिक अभ्यास का एक सरल सूत्र है: प्रतिक्रिया देने से पहले रुकिए, विचार कीजिए और फिर उत्तर दीजिए। यही छोटा-सा विराम हमें क्रोध, जल्दबाजी और अनावश्यक विवाद से बचने में मदद कर सकता है।

दुनिया को बदलने से पहले अपनी आंतरिक स्थिति बदलें
हम चाहते हैं कि परिवार के सदस्य हमारे अनुसार व्यवहार करें, सहकर्मी हमें समझें और परिस्थितियां हमारी इच्छा के अनुसार चलें। लेकिन हर व्यक्ति और हर परिस्थिति को नियंत्रित करना हमारे हाथ में नहीं है। हमारे हाथ में है अपनी सोच, अपना व्यवहार और अपनी प्रतिक्रिया। जब हम भीतर से जागरूक होते हैं, तब दूसरों की कमियों के बजाय अपनी जिम्मेदारी पर ध्यान देने लगते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि गलत व्यवहार को स्वीकार कर लिया जाए, बल्कि यह है कि अपनी बात कहते समय भी मन की शांति और आत्मसम्मान बनाए रखा जाए। मेरे लिए ध्यान का अर्थ जीवन से दूर जाना नहीं, बल्कि जीवन को अधिक स्पष्टता और समझ के साथ जीना है।



नॉलेज स्टोरी

भारतीय मूल की नावी पिल्लई, रंगभेद से लेकर अंतरराष्ट्रीय न्याय तक बनाई पहचान

माहात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया था। इसी देश में भारतीय मूल की एक महिला ने कानून को अपना हथियार बनाकर नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। उनका नाम है नवनेथेम 'नावी' पिल्लई। दक्षिण अफ्रीका में जन्मी नावी पिल्लई को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा 9 अक्टूबर को की गई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने और युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों तथा नरसंहार के दोषियों को जवाबदेह ठहराने में योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

85 वर्ष की नावी पिल्लई की कहानी केवल एक प्रतिष्ठित पुरस्कार तक पहुंचने की नहीं है। यह उस महिला के संघर्ष की कहानी है, जिसने नस्लीय भेदभाव का सामना करते हुए कानून की पढ़ाई की और आगे चलकर दुनिया के प्रमुख न्यायिक संस्थानों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

नावी पिल्लई का जन्म 23 सितंबर



1941 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में हुआ था। उनका परिवार भारतीय तमिल मूल का है। उनके पूर्वज 19वीं सदी के अंतिम वर्षों में तमिलनाडु से दक्षिण अफ्रीका पहुंचे थे। उस समय भारतीय मजदूरों को गन्ने के खेतों में काम करने के लिए वहां ले जाया जाता था। उनका बचपन डरबन के क्लेयरवुड इलाके में बीता। उनके पिता नारायणसामी नायडू बस चालक थे। रंगभेद की व्यवस्था के दौरान अश्वेत और भारतीय मूल के लोगों को अनेक प्रकार के भेदभाव का सामना करना पड़ता था। ऐसे माहौल में नावी ने कानून की पढ़ाई करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का रास्ता चुना।

रवांडा नरसंहार के मामलों में भूमिका

नावी पिल्लई के करियर का एक महत्वपूर्ण अध्याय रवांडा में 1994 के नरसंहार से जुड़ा है। वह अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण की न्यायाधीश और बाद में अध्यक्ष बनीं। इस न्यायाधिकरण में नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की सुनवाई होती थी। उनके कार्यकाल में यौन हिंसा और बलात्कार को युद्ध तथा नरसंहार से जुड़े अपराधों के संदर्भ में न्यायिक रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ। बाद में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में भी न्यायाधीश के रूप में काम किया। 2008 से 2014 तक नावी पिल्लई संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त रहीं।

दिया कबीरा रोय

अकित पांडे

युवा व्यंग्यकार

बी

मार आदमी अस्पताल पहुंचता है तो उसकी आंखों में ठीक होने की उम्मीद होती है। लेकिन जब वह अस्पताल से बाहर निकलता है, तो कई बार बीमारी से ज्यादा बिल का दर्द लेकर लौटता है। हाथ में दवाइयों का थैला, जेब में खाली बटुआ और चेहरे पर ऐसा भाव, मानो बीमारी ने शरीर पर हमला किया था और अस्पताल ने सीधे बैंक खाते पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दी हो।

अस्पताल के भीतर हर चीज की अपनी कीमत है। कमरे का किराया अलग, डॉक्टर की फीस अलग, जांच का खर्च अलग, दवाइयों का हिसाब अलग और इन सबके बीच मरीज की चिंता का कोई मूल्यांकन नहीं। चिंता मुफ्त है, मगर उसका कारण पैदा करने वाली हर चीज महंगी हो सकती है। मरीज पछुता है कि इतना बिल कैसे बन गया? जवाब मिलता है कि इलाज में यही खर्च



बीमारी खत्म होने के बाद भी उसकी किस्तें परिवार की जिंदगी में चलती रहती हैं। मरीज ठीक होकर घर लौटता है, लेकिन घर की आर्थिक सेहत बिगड़ चुकी होती है। विडंबना देखिए, बीमारी किसी की आमदनी, जाति, पद या बैंक खाते का हाल पूछकर नहीं आती। मगर इलाज का खर्च चुकाते समय जेब की औकात जरूर सामने आ जाती है। जिसके पास पैसा है, उसके लिए बीमारी एक परेशानी है। जिसके पास पैसा नहीं है, उसके लिए बीमारी

सोशल मीडिया

क्या आपको 2000 के दशक का वह सोशल मीडिया मंच याद है, जहां दोस्त बनाना, तस्वीरें साझा करना और अपनी पसंद के समुदायों से जुड़ना खास अनुभव हुआ करता था? जी हां, बात ऑरकुट की हो रही है। कभी युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय रहे इस मंच को गूगल ने सितंबर 2014 में बंद कर दिया था। अब इसके संस्थापक ऑरकुट बुयुक्कोटन एक बार फिर ऐसा सोशल मीडिया मंच बनाने की मुहिम चला रहे हैं, जहां दिखावे और विज्ञापनों से ज्यादा अहमियत इंसानी रिश्तों और अपनेपन को मिले। हालांकि, ऑरकुट की आधिकारिक वापसी की अभी घोषणा नहीं हुई है।

ऑरकुट के संस्थापक बुयुक्कोटन ने अपनी वेबसाइट orkut.com पर एक ऑनलाइन याचिका शुरू की है। इसके जरिए वे ऐसे सोशल मीडिया मंच के

लिए लोगों का समर्थन जुटा रहे हैं, जो लोगों को दोस्त बनाने, आपसी संवाद बढ़ाने और समुदायों से जुड़ने में मदद करें। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस अभियान को 115 देशों के 2.70 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिला है।

बुयुक्कोटन ने मौजूदा सोशल मीडिया व्यवस्था की कमियों पर चिंता जताई है। उनके अनुसार, शुरुआती इंटरनेट पर अनजान लोगों से बातचीत करना और नई दोस्ती बनाना रोमांचक लगता था। लेकिन आज कई मंचों पर लोगों का ध्यान खींचने, विज्ञापन दिखाने और उपयोगकर्ताओं को ज्यादा समय तक ऑनलाइन रखने

के साथ इलाज जुटाना भी एक अलग बीमारी बन जाता है। स्वास्थ्य सेवा को उद्देश्य जीवन बचाना है, न कि परिवार की जमा-पूंजी की परीक्षा लेना। निजी अस्पतालों को भी अपनी सेवाओं के खर्च में पारदर्शिता रखनी चाहिए। मरीज को पहले से पता हो कि किस जांच, दवा और सुविधा पर कितना खर्च आएगा। जरूरी उपचार और अनावश्यक जांच के बीच फर्क स्पष्ट हो। सवाल यह नहीं कि इलाज मुफ्त होना चाहिए या महंगा। सवाल यह है कि इलाज इतना महंगा क्यों हो कि मरीज बीमारी से लड़ने से पहले बिल से हारने लगे? अस्पतालों में मरीज को दवा मिले, दिलासा मिले और जीवन बचाने की उम्मीद मिले। उसे ऐसा बिल न मिले कि घर पहुंचकर पूरा परिवार उसकी बीमारी के साथ अपने भविष्य का भी हिसाब लगाने लगे।

कबीर होते तो शायद इस दृश्य को देखकर फिर रो पड़ते। मरीज के एक हाथ में दवा है, दूसरे में खाली बटुआ। बीमारी शरीर में है, मगर इलाज की कीमत पूरे परिवार को बीमार कर रही है।

लौट सकता है 90 के दशक का पसंदीदा ऑरकुट, 115 देशों से मिला समर्थन

लिए लोगों का समर्थन जुटा रहे हैं, जो लोगों को दोस्त बनाने, आपसी संवाद बढ़ाने और समुदायों से जुड़ने में मदद करें। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस अभियान को 115 देशों के 2.70 लाख से अधिक लोगों का समर्थन मिला है।

बुयुक्कोटन ने मौजूदा सोशल मीडिया व्यवस्था की कमियों पर चिंता जताई है। उनके अनुसार, शुरुआती इंटरनेट पर अनजान लोगों से बातचीत करना और नई दोस्ती बनाना रोमांचक लगता था। लेकिन आज कई मंचों पर लोगों का ध्यान खींचने, विज्ञापन दिखाने और उपयोगकर्ताओं को ज्यादा समय तक ऑनलाइन रखने

की होड़ है। उनका तर्क है कि इस व्यवस्था में वास्तविक संवाद और मानवीय रिश्ते पीछे छूट सकते हैं। बच्चों और युवाओं पर इसके प्रभाव को लेकर भी उन्होंने चिंता व्यक्त की है।
AI से भरोसे का सवाल: बुयुक्कोटन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के बढ़ते इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इंटरनेट पर अब यह पहचानना कठिन हो सकता है कि बातचीत करने वाला वास्तव में कोई इंसान है या स्वचालित कार्यक्रम। नकली खातों और एआई से तैयार सामग्री के बढ़ने से ऑनलाइन संवाद में भरोसे और पारदर्शिता की चुनौती बढ़ सकती है। वे ऐसा मंच चाहते हैं, जहां तकनीक का इस्तेमाल लोगों को जोड़ने के लिए हो और वास्तविक मानवीय संबंधों को प्राथमिकता मिले।

न्यूज विंडो

रुचि और योग्यता के अनुसार चुनें कैरियर विद्यार्थियों को बताए रोजगार के अवसर



तेंदूखेड़ा। शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में 10 अक्टूबर को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। कार्यक्रम में अदिति उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न रोजगार क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों, चयन प्रक्रिया और आवश्यक योग्यताओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन करना चाहिए। रोजगार के बदलते स्वरूप को देखते हुए संबंधित क्षेत्र में आवश्यक कौशल विकसित करना और सही दिशा में तैयारी करना भी जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कैरियर एवं रोजगार से जुड़े सवाल पूछे, जिनका मार्गदर्शनकर्ताओं ने सरल तरीके से समाधान किया।कार्यक्रम का संचालन खुशबू रावत एवं डॉ. दीपका दुबे ने किया, जबकि मंच संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया। आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

शीतला शक्ति धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, मां के जयकारों से गुंजा मंदिर



गंजबासौदा। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन शहर के प्रसिद्ध शीतला शक्ति धाम में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं मां के दर्शन करने और जल अर्पित करने मंदिर पहुंचीं। नवरात्र के शुभारंभ के साथ ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई, जो दिनभर जारी रही। नवरात्र पर्व को लेकर शीतला शक्ति धाम को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। मंदिर की मनमोहक साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। भक्तों ने मां के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक शहर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहेगा। मंदिरों में पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। मां की आराधना के साथ पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा।

नवरात्रि पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील, तारादेही थाने में हुई बैठक



तारादेही। शारदीय नवरात्रि एवं नवदुर्गा महोत्सव को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को तारादेही थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और विभिन्न समितियों के सदस्यों ने भाग लिया। थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े ने उपस्थित नागरिकों से त्योहार के दौरान शांति, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक आपसी समन्वय के साथ धार्मिक आयोजन करें और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। बैठक में नवदुर्गा महोत्सव की व्यवस्थाओं और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर चर्चा की गई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष डॉ. मनोहर सिंह लोधी, सरपंच प्रतिनिधि मुकेश जैन, समनापुर सरपंच इमरत सिंह यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन जैन, विनित मिश्रा, संजीव मिश्रा, जाहर सिंह ठाकुर, अमित जैन और बिजेंश लोधी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर टोल-नगाड़ों के साथ निकली प्रतिमाओं की अगवानी, नौ दिनों तक गरबा, डांडिया और महाआरती की रहेगी धूम

ओबेदुल्लागंज: पुष्पवर्षा के बीच पंडालों में विराजीं मां जगदंबा

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सीताराम चौराहा सहित विभिन्न क्षेत्रों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गाजे-बाजे और जयकारों के साथ पूजा पंडालों तक लाया गया। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर मां जगदंबा का स्वागत किया। प्रतिमाओं की अगवानी के दौरान पूरा नगर 'जय माता दी' और 'शहर में सीताराम' के जयघोष से गुंज उठा। सीताराम चौराहा फ्लाईओवर के नीचे से गुजरती मां की भव्य प्रतिमा पर श्रद्धालुओं ने ऊपर से फूल बरसाए। युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में ध्वज लेकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर उत्साह के साथ भागीदारी की। विभिन्न क्षेत्रों में आकर्षक पूजा पंडाल सजाए गए हैं, जहां विधि-विधान से मां दुर्गा की स्थापना की गई। आगामी नौ दिनों तक नगर में विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ,



अखंड ज्योति और महाआरती सहित धार्मिक आयोजन होंगे। गरबा, डांडिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। श्रद्धालु मां जगदंबा से सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना कर रहे हैं।

सीताराम चौराहा पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं की अगवानी के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। फ्लाईओवर के नीचे से गुजरती प्रतिमा पर ऊपर से पुष्पवर्षा की गई। ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयकारों के बीच युवाओं ने हाथों में ध्वज लेकर मां

धान की फसल सूखी, किसानों ने NH-46 किया जाम

10 घंटे निर्बाध बिजली और नहरों में पानी छोड़ने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसान, प्रशासन के आश्वासन के बाद प्रदर्शन खत्म



पांच माह पहले हुई थी शादी, ससुराल लौटने की चल रही थी तैयारी, पुलिस जांच में जुटी मायके से लापता नवविवाहिता का 15 किमी दूर पेड़ पर मिला शव, फोन, मंगलसूत्र गायब

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के जामुन ग्राम के हनुमत बागों गांव से लापता हुई 21 वर्षीय नवविवाहिता का शव दारौली गांव के समीप भामका वाली पुलिया के पास पेड़ से लटका मिला। घटनास्थल मायके से करीब 15 किलोमीटर दूर है। युवती का पांच माह पूर्व विवाह हुआ था और वह करीब एक माह से मायके में रह रही थी।

जानकारी के अनुसार, सोनम पति संदीप ठाकुर का विवाह 12 मई को सागर जिले के केसली थाना क्षेत्र के जरुआ गांव में हुआ था। शनिवार को उसे ससुराल लौटना था, लेकिन शुक्रवार रात वह अचानक लापता हो गई। परिजनों ने उसकी तलाश की, मगर कोई जानकारी नहीं मिली।

सोशल मीडिया से मिली शव की जानकारी

तलाश के दौरान सोशल मीडिया पर दारौली गांव के पास पेड़ से लटके महिला के शव की तस्वीर सामने आई। परिजनों ने तत्क्षर देखकर सोनम की पहचान की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाकर



पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिजनों ने घटना पर संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच और पैनल से पोस्टमार्टम कराने की मांग की। पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल तक पहुंचने के मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

मोबाइल और मंगलसूत्र नहीं मिलने से बढ़ा संदेह

परिजनों के अनुसार, सोनम शुक्रवार रात करीब 12 बजे तक घर पर थी। रात लगभग 11 बजे उसके मोबाइल

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

कम बारिश और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने से धान की फसल सूखने लगी है। खेतों में खड़ी फसल को बर्बाद होने से बचाने के लिए किसानों का सब्र टूट गया और उन्होंने नेशनल हाईवे-46 पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। किसानों ने हाईवे के दोनों ओर आवागमन रोक दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान किसानों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तीखी

बहस हुई। किसानों की प्रमुख मांग थी कि धान की फसल बचाने के लिए प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए और डैम से नहरों में तत्काल पानी छोड़ा जाए। किसानों का कहना था कि बारिश कम होने से खेतों की नमी खत्म हो चुकी है और सिंचाई के अभाव में फसल सूख रही है। यदि समय पर पानी नहीं मिला तो उनकी पूरी मेहनत और लागत बर्बाद हो जाएगी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने डैम में

सीमित जलस्तर का हवाला देते हुए कहा कि अभी पानी छोड़ने से रबी की फसल के दौरान जल संकट गहरा सकता है। इस पर किसानों ने पहले मौजूदा धान की फसल बचाने की मांग रखी। आखिरकार प्रशासनिक अधिकारियों ने बिजली और जल संसाधन विभाग के बीच समन्वय बनाकर निर्धारित व्यवस्था के अनुसार बिजली एवं पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग पुतला दहन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हुई तनातनी

नरसिंहपुर। लोकतंत्र बचाओ और 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारों के साथ शनिवार को ब्लॉक कांग्रेस शहर एवं ग्रामीण इकाई ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुदरी बाजार से सुभाष पार्क तक रैली निकालकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और निर्वाचन आयोग पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए।

सुभाष पार्क पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला दहन किया। इस दौरान पुतले को लेकर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी एवं तनातनी की स्थिति बनी। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग पक्षपात कर रहा है और वोट चोरी को बढ़ावा दिया जा रहा है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंडित मैथिलीशरण तिवारी ने केंद्र सरकार पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। नरेंद्र राजपूत और पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष लाखन सिंह पटेल ने भी सरकार एवं निर्वाचन आयोग की कार्यपालनी पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारियों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और ग्रियंका गांधी से जुड़े मामलों की भी निंदा की।

उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में हुई प्रतियोगिता रस्साकसी में एमआईएमटी कॉलेज ने गाड़ा जीत का झंडा



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान नरसिंहपुर में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन तथा जिला खेल और युवा कल्याण विभाग के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर की छात्र टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में एमआईएमटी कॉलेज की टीम ने कॉलीबॉल छात्रावास नरसिंहपुर की टीम को पराजित कर जीत दर्ज की।

महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर चेयरमैन इंजीनियर रुद्रेश तिवारी, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं एमआईएमटी लॉ कॉलेज के डायरेक्टर एडवोकेट रंजित तिवारी ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्र जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ावा देते हैं।इस अवसर पर प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी करीम खान एवं मोहम्मद आशिक अली, आईटी ऑफिसर प्रसून नेमा, रितेश मालवीय, सहायक प्राध्यापक हेमराज सेन, दिनेश पटेल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल

क्रमांक/थाप्र./तलैया./गुम इंसान क्र-23/2026 S/O 420/26

दिनांक - 05/10/2026

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना तलैया पर दिनांक 01/10/26 को सूचक मोहम्मद राजा की सूचना पर गुमशुदा- आर्मि पिता मोह. अकबर उम्र 20 साल नि. ग्राम सब्बेत थाना नालंदा जिला बिहार हाल पता - प्यारे भाई का किराये का मकान सामत खां मस्जिद के पीछे इस्लामपुरा थाना तलैया भोपाल के दिनांक 29/09/26 के 10.00 बजे घर से बिना बताये चले जाने की रिपोर्ट पर थाना तलैया में गुम इंसान क्र 23/2026 व अप.क्र. 330/2026 धारा 140(3) बी.एन.एस. की कार्यमी कर जांच में लिया गया। गुमशुदा की तलाश के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

गुमशुदा व्यक्ति का हुलिया - रंग सांवला चेहरा- लम्बा, कद - 5 फिट 02 इंच के करीबन, बदन- बदन इक्करा शरीर दुबला पतला है, पहनावा- ब्लू कलर की जींस पैंट व डार्क ब्लू रंग की शर्ट पहने हुए है तथा पैरों में हवाई चप्पल पहने है। तथा दाहिने आँख में सफेद दाग है।

गुमशुदा के मिलने पर थाना तलैया आकर सूचित करें अथवा थाना प्रभारी तलैया के मोबाईल नं., 9479990553. -0755 2677364-24433230 एवं जाचकर्ता प्रअर. 2676 संतोष सिंह मो. 9424412933 को तत्काल संपर्क करें।

G-19764/26

थाना प्रभारी, थाना तलैया भोपाल

दुश्मन को फंसाने के लिए दिव्यांग कर्मचारी को मैरिज गार्डन बुलाकर गोलियों से भूना

ग्वालियर में चार करोड़ की जमीन के विवाद में हत्या का आरोप; पत्नी के बयान के बाद नवीन शर्मा और साथियों पर केस, आरोपी हिरासत में

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

टेकनपुर में ग्वालियर-झांसी हाईवे पर दिव्यांग संदीप परिहार की गोली मारकर हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, मैरिज गार्डन संचालक नवीन शर्मा और उसके साथियों पर संदीप की हत्या कर श्यामू गुर्जर और उसके साथियों को फंसाने की साजिश रचने का आरोप है। संदीप की पत्नी विनीता परिहार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने नवीन और उसके साथियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। नवीन



को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। विनीता के अनुसार, संदीप मैरिज गार्डन में क्रॉकरी का काम करता था। शुक्रवार शाम करीब चार बजे उसके मोबाइल पर 'बॉस' नाम से कॉल आया।

इसके बाद वह अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ मैरिज गार्डन गया। बेटा बाहर खड़ा रहा, तभी अंदर से कई गोलियां चलने की आवाज आई। बाद में नवीन ने फोन उठाकर संदीप को गोली लगने की

जानकारी दी। पत्नी ने आरोप लगाया कि करीब चार करोड़ रुपये की जमीन को लेकर विवाद के चलते संदीप को नौकरी पर रखा गया था, ताकि दूसरे पक्ष को फंसाया जा सके। एसएसपी धर्मवीर सिंह के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्यामू गुर्जर पक्ष की ओर से भी गोली चलने के संबंध में हत्या के प्रयास का क्रॉस केस दर्ज करने की बात कही गई है। विनीता परिहार के मुताबिक, संदीप के मोबाइल में नवीन शर्मा का नंबर 'बॉस' के नाम से सेव था। शुक्रवार शाम कॉल आने पर संदीप

अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ मैरिज गार्डन पहुंचा था। बेटा बाहर खड़ा था, तभी उसे अंदर से गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। घर लौटकर उसने मां को घटना बताई। विनीता ने संदीप के मोबाइल पर कॉल किया तो नवीन ने गोली लगने की जानकारी दी। पत्नी के बयान के बाद पुलिस ने नवीन और उसके साथियों की भूमिका की जांच की और हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस अब घटनाक्रम, आरोपों और कथित साजिश के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

परिवार को चुप कराने के आरोप

मामले में करीब चार करोड़ रुपये की जमीन को लेकर विवाद की बात सामने आई है। विनीता परिहार ने आरोप लगाया कि संदीप को नौकरी पर रखने के पीछे दूसरे पक्ष को मामले में फंसाने की मंशा थी। यह भी आरोप सामने आया कि नवीन के परिजनों ने परिवार को कथित तौर पर मोटी रकम देकर चुप कराने की कोशिश की। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। पुलिस के अनुसार, श्यामू गुर्जर पक्ष की ओर से भी गोली चलने की बात सामने आई है। इस पहलू पर हत्या के प्रयास का क्रॉस केस दर्ज करने की बात कही गई है। मामले की जांच जारी है।

न्यूज विंडो

कटनी में आयोजित डीएवी जोनल शतरंज प्रतियोगिता में सुदीक्षा ने जीता स्वर्ण पदक



नरसिंहपुर। प्रतिभा, एकाग्रता और मेहनत के दम पर सुदीक्षा सिंह राजपूत ने मध्य प्रदेश जोनल शतरंज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर अपनी सफलता का परचम लहराया है। कटनी में आयोजित डीएवी जोनल प्रतियोगिता में सुदीक्षा ने शतरंज में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुदीक्षा सिंह राजपूत, प्रभाकर सिंह राजपूत की भतीजी और कैलाश सिंह राजपूत की पोती हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। सुदीक्षा की सफलता को उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। कैलाश सिंह राजपूत ने हमेशा शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। सुदीक्षा की यह उपलब्धि उनके इसी प्रोत्साहन और सकारात्मक वातावरण का उदाहरण है। स्वर्ण पदक जीतकर सुदीक्षा ने परिवार के साथ नरसिंहपुर का नाम भी गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा निखारने और लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

एफआईआर दर्ज कराने में देरी से आरोप झूठे नहीं हो जाते : हाई कोर्ट



जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े दहेज प्रताड़ना के मामले में पति की एफआईआर निरस्त करने की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिकायत दर्ज कराने में देरी मात्र से आरोपों को झूठा नहीं माना जा सकता। आरोपों की वास्तविकता का परीक्षण मुकदमे के दौरान साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। जबलपुर निवासी पति राजेश कुमार ने याचिका में दलील दी थी कि पत्नी मनीषा ने काफी देर से शिकायत दर्ज कराई है। पति ने विवाह में हुए खर्च के बिल पेश किए और चार पहिया वाहन की मांग से इनकार किया। उसका कहना था कि पत्नी का स्वीधन और विवाह में मिला सामान भी उसके पास ही है। वहीं, पत्नी ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। उसके मुताबिक, मायके पक्ष ने शादी में 60 से 70 लाख रुपये खर्च किए और 15 लाख रुपये नकद सहित अन्य सामान दिया। पत्नी ने हनीमून के दौरान भी पैसे मांगने का आरोप लगाया। उसने कहा कि वैवाहिक संबंध बचाने की उम्मीद में तत्काल शिकायत नहीं की थी। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के सुप्रिया जैन बनाम हरियाणा राज्य मामले का उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि जांच में जुटाए गए साक्ष्यों का विस्तृत मूल्यांकन विचारण न्यायालय में होना चाहिए। एफआईआर निरस्त करने का आधार नहीं मिलने पर याचिका खारिज कर दी गई। आरोपों की अंतिम सत्यता का निर्णय मुकदमे में होगा।

कुएं के पानी ने लिया खूनी रूप, लाठीबाजी में 72 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, 2 गिरफ्तार



रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के डेल्ली गांव में सामूहिक कुएं से पानी भरने को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमकर लाठियां चलीं, जिसमें 72 वर्षीय ददीवल शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में भैयालाल शुक्ला और देवराज शुक्ला को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीते 8 तारीख की है। डेल्ली गांव में सामूहिक कुएं से पानी भरने को लेकर ददीवल शुक्ला और परिवार के दूसरे पक्ष के बीच विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच लाठीबाजी होने लगी। इस दौरान ददीवल शुक्ला को गंभीर चोटें आईं। घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर बैकुंठपुर थाना प्रभारी श्रेणेश सिंह राजपूत ने कार्रवाई करते हुए भैयालाल शुक्ला और देवराज शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया। उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। मामूली विवाद में बुजुर्ग की मौत से गांव में घटना को लेकर चर्चा है।

डीन बोले-फर्जी तस्वीरों से संस्थान की छवि बिगाड़ने की कोशिश

MGM मेडिकल कॉलेज की वेबसाइट पर 15 मिनट तक दिखे अश्लील वीडियो

इंदौर दोपहर मेट्रो

महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज (एमजीएम) की आधिकारिक वेबसाइट पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाई देने का मामला सामने आया है। सुबह करीब 10.45 से 11.05 बजे के बीच लगभग 15 मिनट तक वेबसाइट पर अश्लील वीडियो नजर आने की जानकारी सामने आई। इस घटनाक्रम के बाद संस्थान की वेबसाइट की साइबर सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, वेबसाइट हैक होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और कॉलेज प्रबंधन ने हैकिंग की बात से इनकार किया है।

कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि कुछ लोगों ने फर्जी तस्वीरें तैयार कर संस्थान की छवि खराब करने की कोशिश की है। प्रबंधन के मुताबिक, वेबसाइट का रखरखाव करने वाले विशेषज्ञ से भी मामले की जांच कराई गई, लेकिन उन्होंने वेबसाइट हैक होने की बात से इनकार किया। दूसरी ओर, वेबसाइट पर आपत्तिजनक सामग्री दिखाई देने



की सूचना ने सरकारी शैक्षणिक संस्थानों की डिजिटल सुरक्षा पर चर्चा तेज कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वेबसाइट पर सामग्री दिखने के पीछे साइबर हमला था, तकनीकी गड़बड़ी थी या किसी अन्य तरीके से छेड़छाड़ की गई। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी सरकारी शैक्षणिक संस्थान की वेबसाइट को लेकर ऐसी स्थिति सामने आई हो। इससे पहले देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के साथ भी छेड़छाड़ का मामला सामने आ चुका है। एमजीएम कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने वेबसाइट

हैक होने से इनकार करते हुए कहा कि कुछ लोग कॉलेज की छवि बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल मामले की स्वतंत्र तकनीकी पुष्टि होना बाकी है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज की वेबसाइट पर आपत्तिजनक वीडियो मामले में कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि वेबसाइट को मॉडरेट करने वाले विशेषज्ञ को दिखाया गया, लेकिन उन्होंने भी हैकिंग की बात से इनकार किया। डीन के अनुसार, कुछ लोग फर्जी तस्वीरें बनाकर संस्थान की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

सरकारी संस्थानों की वेबसाइट की सुरक्षा पर सवाल

एमजीएम मेडिकल कॉलेज की वेबसाइट पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाई देने की घटना ने सरकारी शैक्षणिक संस्थानों की साइबर सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। वेबसाइट पर सामग्री दिखने की सूचना के बाद यह स्पष्ट करना जरूरी है कि मामला हैकिंग, तकनीकी गड़बड़ी या किसी अन्य तरह की छेड़छाड़ से जुड़ा था। इससे पहले देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के साथ भी छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। डिजिटल माध्यमों पर संस्थानों की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध रहने के कारण वेबसाइट की सुरक्षा और निगरानी महत्वपूर्ण है। एमजीएम मामले में अभी हैकिंग की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्वतंत्र तकनीकी जांच के निष्कर्ष सामने आने पर ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

भाजपा मंडल महामंत्री पर छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

महिला ने अश्लील इशारे करने, पीछा करने, परिवार को धमकी देने की शिकायत की

धारा। दोपहर मेट्रो

शहर में भाजपा मंडल महामंत्री रॉकी आहूजा पर एक महिला ने छेड़छाड़, अश्लील इशारे करने, पीछा करने और बातचीत के लिए दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। महिला की शिकायत के अनुसार, विरोध करने पर आरोपी ने बच्चों और परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आहूजा के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इधर, राजवाड़ा क्षेत्र के एमजी रोड स्थित शिव वस्त्रालय में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, आकाश जायसवाल, प्रतीक जायसवाल, राजा और एक महिला पर दुकान में घुसकर मारपीट करने तथा नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। इस मामले में भी बीएनएस की धाराओं के तहत



एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि यह घटना छेड़छाड़ के विरोध से जुड़ी है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान के अनुसार, दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, भाजपा नेता पर लगे आरोपों की जानकारी संगठन तक पहुंच गई है। संगठन स्तर पर मामले की जानकारी जुटाई जा रही है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सकता है।

आरोपों के बाद भाजपा संगठन तक पहुंचा मामला

भाजपा मंडल महामंत्री रॉकी आहूजा पर महिला द्वारा लगाए गए छेड़छाड़ और धमकी के आरोपों के बाद मामला राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। वहीं, शिव वस्त्रालय में तोड़फोड़ के मामले में भी एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों घटनाओं के सामने आने के बाद भाजपा संगठन तक पूरे घटनाक्रम की जानकारी पहुंची है। बताया जा रहा है कि संगठन आरोपों और घटनाक्रम से जुड़ी जानकारी जुटा रहा है। हालांकि, संगठन की ओर से कार्रवाई को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है। पुलिस जांच के निष्कर्षों के बाद मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

मेट्रो एंकर बाँडी कैमरे के साथ होगी गश्त, चैकिंग चौकियों पर रोस्टर से तैनाती; चार वनमंडलों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश

लकड़ी तस्करी पर वन विभाग का शिकंजा, अब रोज बदलेगी अधिकारियों की ड्यूटी

इंदौर। दोपहर मेट्रो

लकड़ियों के अवैध परिवहन और वनकर्मियों पर लगे आरोपों के बाद इंदौर वनमंडल में निगरानी व्यवस्था सख्त की जा रही है। अब सीमाओं पर रात में गश्त करने वाले अधिकारियों की ड्यूटी रोज बदलेगी। चैकिंग चौकियों पर भी रोस्टर के अनुसार कर्मचारियों की तैनाती होगी। कार्रवाई के दौरान उड़नदस्ते के सदस्यों को बाँडी कैमरे पहनना अनिवार्य किया गया है। गश्त में निजी वाहनों के बजाय सरकारी वाहनों का उपयोग होगा।

दरअसल, अगस्त में राज्य स्तरीय उड़नदस्ते ने धार रोडस्थित टिंबर मार्केट में कार्रवाई कर आरा मशीनों और गोदामों की जांच की थी। जलाराम एंटरप्राइज, प्रशांत टिम्बर मार्केट और सावेर में लकड़ी कारोबारी सुनील परमार के कारखाने की जांच में अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के आधार पर वनकर्मियों को नोटिस जारी किए गए। सितंबर में सांवेर क्षेत्र के



गुरान स्थित फैक्ट्री में भी लकड़ी के स्टॉक में गड़बड़ी मिली। वनकर्मियों पर अवैध वसूली के आरोप भी लगे हैं। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, सांवेर और देपालपुर सबरेंज में बिना टूटित परमिट (टीपी) लकड़ी आने की शिकायतें हैं। सीसीएफ पीएन मिश्रा ने डीएफओ लाल सुधाकर सिंह को आवश्यक निर्देश दिए हैं। चारों वनमंडलों में निगरानी बढ़ाने के साथ उड़नदस्ते की जिम्मेदारी प्रतिदिन अलग-अलग

रेंजर को सौंपी जाएगी। अगस्त में राज्य स्तरीय उड़नदस्ते ने धार रोड स्थित टिंबर मार्केट में कार्रवाई की थी। इस दौरान आरा मशीनों और गोदामों की जांच कर कुछ प्रतिष्ठानों को सील किया गया था। जलाराम एंटरप्राइज, प्रशांत टिम्बर मार्केट और सांवेर में सुनील परमार के कारखाने की जांच में अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई। उड़नदस्ते की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित

बिना लाइसेंस चल रहा संजीवन मेडिकल्स सील, महिला ड्रग इंस्पेक्टर से बदसलूकी

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

संजीवन चिकित्सालय से जुड़े संजीवन मेडिकल्स पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। बिना वैध ड्रग लाइसेंस के दवाओं का क्रय-विक्रय करने और जांच के दौरान महिला औषधि निरीक्षक को रोकने के आरोप में विभाग ने मेडिकल स्टोर के दोनों विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं। साथ ही परिसर को सील कर दिया गया है। जांच पूरी होने तक दुकान बंद रहेगी।

विभागीय आदेश के अनुसार, 10 अक्टूबर 2026 को औषधि निरीक्षक नीलम भाभर मेडिकल स्टोर के औचक निरीक्षण के लिए पहुंची थीं। उस समय दुकान खुली थी और कर्मचारी दवाओं की बिक्री कर रहे थे। आरोप है कि निरीक्षण के लिए प्रवेश करने और लाइसेंस मांगने पर संजीवन चिकित्सालय की डॉ. अर्चना गुप्ता और स्टाफ ने उन्हें रोक दिया। पहचान-पत्र दिखाने के



बावजूद निरीक्षण नहीं करने दिया गया और दुकान बंद कर दी गई। कार्यालयीन रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि मेडिकल स्टोर के लाइसेंस की वैधता 5 जून 2021 को समाप्त हो चुकी थी। विभाग ने इसे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और संबंधित नियमों का उल्लंघन माना। औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुभूति शर्मा ने चेतावनी दी है कि जांच पूरी होने से पहले दुकान खोलने, दवाओं का कारोबार करने या सील तोड़ने पर नियमानुसार न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

वनकर्मियों को नोटिस भी जारी किए गए। इसके बाद सितंबर में सांवेर क्षेत्र के गुरान स्थित एक फैक्ट्री में लकड़ी के स्टॉक में गड़बड़ी मिली। इन घटनाओं के बाद विभाग ने निगरानी व्यवस्था में बदलाव करने और जांच को प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं।

धार-अलीराजपुर में सप्ताहभर निरीक्षण

इंदौर वृत्त के चारों वनमंडलों में लकड़ियों के अवैध परिवहन पर निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसके तहत वनमंडल स्तर के उड़नदस्ते की जिम्मेदारी हर दिन अलग-अलग रेंजर को दी जाएगी। रात में सीमा क्षेत्रों में गश्त करने वाले अधिकारियों की ड्यूटी भी प्रतिदिन बदलेगी। चैकिंग चौकियों पर कर्मचारियों को तैनाती रोस्टर के आधार पर होगी। इसके अलावा वृत्त स्तरीय उड़नदस्ते को धार और अलीराजपुर में एक सप्ताह तक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

होलकर स्टेडियम में रिकॉर्ड की बरसात का मौका, सूर्यकुमार यादव का कीर्तिमान तोड़ने उतरेंगे भारतीय बल्लेबाज

अभिषेक के निशाने पर दो रिकॉर्ड, ईशान-श्रेयस भी रच सकते हैं इतिहास

इंदौर, एजेंसी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच आज रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाला तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद खास साबित हो सकता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है। वह सबसे कम गेंदों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने के मामले में सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ सकते हैं। इसके अलावा एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले पूर्ण सदस्य देशों के बल्लेबाज का रिकॉर्ड भी उनके निशाने पर है। वहीं, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम बड़े कीर्तिमान दर्ज कराने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे।

33 रन बनाते ही 2,000 के क्लब



में पहुंचेंगे अभिषेक+ अभिषेक शर्मा ने अब तक 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की 63 पारियों में 1,967 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 1,009 गेंदों का सामना किया है। तीसरे टी20 मुकाबले में 33 रन बनाते ही वह इस प्रारूप में 2,000 रन पूरे कर लेंगे। हालांकि, उनकी नजर केवल इस उपलब्धि पर नहीं, बल्कि सबसे कम गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचने के विश्व रिकॉर्ड पर भी होगी।

फिलहाल यह रिकॉर्ड भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के नाम है। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,164वीं गेंद पर अपने 2,000 रन पूरे किए थे। अभिषेक के खाते में अभी 1,009 गेंदों पर 1,967 रन हैं। ऐसे में उन्हें सूर्यकुमार का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अगली 155 गेंदों के भीतर 33 रन बनाने होंगे। यानी उनके पास इस उपलब्धि को हासिल करने का मजबूत मौका है।

ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच 1,283 गेंदों के साथ इस सूची में दूसरे और ग्लेन मैक्सवेल 1,304 गेंदों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।



छह छक्के लगाते ही सूर्यकुमार से आगे निकलेंगे

अभिषेक शर्मा का दूसरा निशाना एक कैलेंडर वर्ष में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2026 में अब तक 31 मुकाबलों में 63 छक्के लगाए हैं। इस सूची में शीर्ष स्थान पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 2022 में 31 मैचों के दौरान 68 छक्के जड़े थे। अभिषेक को सूर्यकुमार के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए छह छक्के और उनसे आगे निकलने के लिए सात छक्के लगाने होंगे। इंदौर का मुकाबला उनके लिए इस लिहाज से अहम है। अगर उनका बल्ला चला और उन्होंने छकों की झड़ी लगा दी, तो वह एक ही मैच में इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर सकते हैं। अभिषेक ने 2025 में भी 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 54 छक्के लगाए थे। लगातार दो वर्षों में उनका आक्रामक प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए बड़ी ताकत बना हुआ है।

ईशान किशन के सामने सूर्यकुमार का रिकॉर्ड

भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन भी इंदौर में बड़ा कारनामा कर सकते हैं। उन्होंने 2026 में अब तक 31 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,085 रन बनाए हैं। भारत की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार ने 2022 में 31 मैचों में 1,164 रन बनाए थे। ईशान को यह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तीसरे टी20 में कम से कम 80 रन बनाने होंगे। यदि वह बड़ी पारी खेलने में सफल रहते हैं, तो सूर्यकुमार का चार साल पुराना कीर्तिमान पीछे छूट सकता है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए यह मुकाबला व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण होगा। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर भी रिकॉर्ड की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 551 रन बनाए हैं। भारत के कप्तान के तौर पर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने 2022 में 29 मैचों में 656 रन बनाए थे। श्रेयस को रोहित से आगे निकलने के लिए तीसरे मुकाबले में 106 रन और बनाने होंगे। हालांकि, यह आसान चुनौती नहीं होगी, लेकिन बड़ी पारी उन्हें इस सूची में शीर्ष स्थान तक पहुंचा सकती है।

IPL के ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम पर रहाणे का हमला

इसे हटाओ, खराब हो रहा ऑलराउंडर्स का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (इप्ल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। भारत के अनुभवी क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इस नियम को हटाने की जोरदार बकालत करते हुए इसे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास के लिए नुकसानदायक बताया है। रहाणे का मानना है कि इस नियम के कारण टीमों में अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज को मैदान पर उतारकर खेल का संतुलन बदल देती हैं, जिससे ऑलराउंडर्स की भूमिका लगातार सीमित होती जा रही है।

‘इम्पैक्ट प्लेयर नियम का कोई फायदा नहीं’ – आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने कहा कि इस नियम को समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले



भी अधिकांश कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम के खिलाफ अपनी राय रखी थी। रहाणे को मुताबिक, इस नियम को लेकर आगे क्या फैसला लिया जाएगा, यह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नियम या इससे संबंधित दिशानिर्देश 2027 तक लागू हैं, इसलिए इसे कब हटाया जाएगा, इस पर स्थिति साफ नहीं है। हालांकि, उनका मानना है कि क्रिकेट के लिहाज से इस नियम का कोई खास फायदा नहीं है।

ऑलराउंडर्स के विकास पर पड़ रहा असर

रहाणे ने भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स की घटती भूमिका पर चिंता जताई। उनका कहना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के चलते फ्रेंचाइजी को बल्लेबाजी या गेंदबाजी मजबूत करने के लिए अलग खिलाड़ी उतारने का विकल्प मिल जाता है। ऐसे में टीमों को ऐसे खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की जरूरत कम महसूस होती है, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकें। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय टीम के भविष्य के लिए ऑलराउंडर्स तैयार करना बेहद जरूरी है। खासकर तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर्स की कमी भारतीय क्रिकेट के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

मोरक्को-फ्रांसीसी मूल की मॉडल और अभिनेत्री सौंदस मौफकीर एक बार फिर अपनी नई तस्वीरों को लेकर चर्चा में है। समुद्र तट पर छुट्टियां बिताते हुए साझा की गई उनकी तस्वीरों में उनका आकर्षक और आत्म-विश्वास से भरा अंदाज देखने को मिल रहा है। सफेद और नीले रंग की बिकिनी में अभिनेत्री की तस्वीरें प्रशंसकों का ध्यान खींच रही हैं और सामाजिक माध्यमों पर उनकी खूब चर्चा हो रही है।

सफेद-नीली बिकिनी में सौंदस का समंदर किनारे दिखा ग्लैमरस अंदाज

तस्वीरों ने मचाई हलचल

सौंदस मौफकीर ने अपनी नई तस्वीरों में समुद्र के किनारे बिताए खूबसूरत पलों की झलक दिखाई है। कुछ तस्वीरों में वह पानी के बीच आराम करती नजर आ रही हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में समुद्र तट पर अलग-अलग अंदाज में तस्वीरें खिंचवाती दिखाई देती हैं।

उनका पहनावा, कैमरे के सामने आत्मविश्वास और छुट्टियों का बेफिक्र अंदाज तस्वीरों को खास बना रहा है। अभिनेत्री के प्रशंसक उनकी तस्वीरों पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने उनके रूप और



अंदाज की तारीफ की है, तो कुछ ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया है। सौंदस की तस्वीरों पर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं देखने लायक हैं। टिप्पणी खंड में लोग उनके आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व और समुद्र किनारे के अंदाज की सराहना कर रहे हैं। उनकी तस्वीरों को लेकर प्रशंसकों के बीच उत्साह दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री अक्सर अपने पहनावे और तस्वीरों के जरिए सुर्खियां बटोरती हैं।

रियलिटी शो से मिली पहचान

सौंदस मौफकीर को मनोरंजन जगत में पहचान लोकप्रिय रियलिटी कार्यक्रमों के जरिए मिली। वह वर्ष 2022 में एमटीवी रोजीज में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने एमटीवी स्प्लटसविला के चौथे सत्र में हिस्सा लिया और विजेता बनीं। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। इसके बाद वह खतरों के खिलाड़ी के तेरहवें सत्र में भी दिखाई दीं, जहां उन्होंने अपने साहस और चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में भाग लेने के अंदाज से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

मुंबई। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन आज अपना 84वां दिन मना रहे हैं। 11 अक्टूबर 1942 को

अमिताभ बच्चन का सियासी सफर

इलाहाबाद में बहुगुणा को हराकर रचा था इतिहास भावनाओं में लिया था राजनीति में आने का फैसला



इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में जन्मे बिग बी ने फिल्मों दुनिया में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। हालांकि, उनकी जिंदगी का एक अध्याय ऐसा भी रहा, जब उन्होंने अभिनय की दुनिया से निकलकर राजनीति में कदम रखा। दोस्ती के लिए चुनाव लड़ने वाले अमिताभ बच्चन का राजनीतिक सफर जितनी तेजी से चर्चा में आया, उतनी ही जल्दी खत्म भी हो गया।

प्रसिद्ध साहित्यकार हरिवंश राय बच्चन के बेटे अमिताभ बच्चन ने

1984 में कांग्रेस के टिकट पर इलाहाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में राजनीतिक माहौल बदल गया था। इसी दौरान अमिताभ अपने बचपन के मित्र राजीव गांधी के समर्थन में राजनीति में उतरे। इस चुनाव में उन्होंने उत्तर प्रदेश के दिगंज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को बड़े अंतर से हराया। फिल्मी पद पर अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले ‘एंग्री यंग मैन’ की राजनीतिक एंट्री ने देशभर

मुश्किलों में घिर गया, जब 1987 में बोफोर्स मामले में उनका और उनके भाई अजिताभ बच्चन का नाम सामने आया। हालांकि, बाद में अमिताभ को इस मामले में क्लीन चिट मिली, लेकिन विवाद और मीडिया में लगातार चर्चा के बीच उन्होंने जुलाई 1987 में लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस तरह उनका राजनीतिक कार्यकाल पूरा होने से पहले ही समाप्त हो गया। इसके बाद उन्होंने सक्रिय चुनावी राजनीति से दूरी बना ली और दोबारा लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा।

में सुर्खियां बटोरें। अमिताभ बच्चन का राजनीतिक सफर उस समय



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को ऐलान किया है कि वह सरकारी तेल कंपनियों को डॉलर की आपूर्ति के लिए एक स्पेशल लिंबो खोलने का फैसला किया है। इस सुविधा के तहत, रिजर्व बैंक तय बैंकों के जरिए पब्लिक सेक्टर की तेल कंपनियों को डॉलर बेचेगा। इसके अलावा, आरबीआई ने विदेशी मुद्रा हेजिंग सुविधाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डॉक्यूमेंटेशन के नियमों को भी सख्त

आरबीआई सरकारी तेल कंपनियों के लिए स्पेशल डॉलर लिंबो करेगी शुरू

केंद्रीय बैंक ने तीन सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों – इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन – की दैनिक डॉलर की जरूरत को पूरा करने के लिए एक स्पेशल लिंबो खोलने का फैसला किया है।

इस सुविधा के तहत, रिजर्व बैंक तय बैंकों के जरिए पब्लिक सेक्टर की तेल कंपनियों को डॉलर बेचेगा। इसके अलावा, आरबीआई ने विदेशी मुद्रा हेजिंग सुविधाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए डॉक्यूमेंटेशन के नियमों को भी सख्त

किया है। आरबीआई ने एक अलग बयान में कहा, “अधिकृत डीलरों को उन यूजर्स से एक लिखित आश्वासन लेना होगा और उसे अपने पास रखना होगा जो, भारतीय रुपए से जुड़े विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट कर रहे हैं। इस लिखित आश्वासन में यह पुष्टि करनी होगी कि उसी अंडरलाइंग एक्सपोजर के लिए किसी दूसरे अधिकृत डीलर के साथ हेजिंग नहीं की गई है।” विदेश मुद्रा बाजार के सही ढंग से काम करने के लिए, आरबीआई ने कैसिल किए गए फॉरेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने पर पाबंदियां लगाई हैं।

सेबी का बड़ा फैसला! 10 लाख तक के मामलों का फास्ट-ट्रैक पर निपटारा

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार से जुड़े विवादों के निपटारे की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए नए संशोधित नियम जारी किए हैं। सेटलमेंट रेगुलेशन्स, 2026 के तहत नियामक ने 10 लाख रुपये तक की सेटलमेंट राशि वाले मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक व्यवस्था शुरू की है। नए प्रावधानों का उद्देश्य सेटलमेंट की रकम तय करने में पारदर्शिता बढ़ाना और मामलों के निपटारे को अधिक अनुमान योग्य बनाना है।

सेबी के नए नियमों के मुताबिक, 10 लाख रुपये या उससे कम की सेटलमेंट राशि वाले मामलों को सीधे आंतरिक समिति से पूर्णकालिक सदस्यों के पैनल के पास भेजा जाएगा। इससे निर्धारित पात्रता वाले मामलों में निपटारे की प्रक्रिया सरल हो सकती है। नियामक ने फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट के दो प्रकार निर्धारित किए हैं। इनमें उद्घेन की प्रकृति पर आधारित फास्ट-ट्रैक

सेटलमेंट और सेटलमेंट राशि की सीमा पर आधारित फास्ट-ट्रैक सेटलमेंट शामिल हैं। हालांकि, केवल राशि कम होने से हर मामले को इस सुविधा का पात्र नहीं माना जाएगा। उद्घेन की प्रकृति भी महत्वपूर्ण होगी। संशोधित नियमों में सेटलमेंट



राशि की गणना के लिए नया फॉर्मूला पेश किया गया है। इसके तहत एक आधार राशि तय की जाएगी, जिसका संबंध प्रतिभूति कानूनों के तहत उद्घेन के लिए निर्धारित न्यूनतम जुर्माने से होगा। आधार राशि तय करते समय मामले में कार्यवाही के चरण, नियामकीय कार्रवाई, उद्घेन की गंभीरता और अन्य संबंधित परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाएगा। कानूनी खर्च को भी अलग से ध्यान में रखने का प्रावधान बताया गया है। नए नियमों की एक अहम विशेषता गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे, बचाए गए नुकसान और निवेशकों को हुए नुकसान की अलग गणना है।



लड़कियों ने पीठ पर बनवाया कैप्टन स्मित मच्छार का टैटू

अहमदाबाद में नवरात्रि से पहले, लड़कियों ने अपनी पीठ पर कॉमनवेलथ गेम्स 2030 और बहादुरी के लिए प्लाइट कैप्टन स्मित मच्छर के टैटू बनवाए और नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रार्थना की।

देशभर में दुर्गापूजा-गरबा की तैयारियां

देशभर में 11 अक्टूबर से नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। 10 दिन चलने वाले उत्सव की सबसे ज्यादा धूमधाम पश्चिम बंगाल, हिमाचल, गुजरात, कर्नाटक और मध्य भारत में होती है। पश्चिम बंगाल में 65 हजार से ज्यादा दुर्गा पूजा पंडाल बनने का अनुमान है। राज्य की बिजली मंत्री गीर्मा दास घोष ने 14 सितंबर को यह जानकारी दी थी। पश्चिम बंगाल के नादिया में दुर्गा पूजा उत्सव से पहले कलाकार महिषासुर मर्दिनी का अभिनय करते हुए दिखे।



न्यूज विडो

बिहार: एनएच-31 पर जाम के बीच जला सीएनजी ऑटो, हादसा टला



बेगूसराय। बेगूसराय जिले में चकिया थर्मल रेल क्रॉसिंग के पास शनिवार देर शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब एनएच-31 पर भीषण यातायात जाम के बीच खड़े एक सीएनजी ऑटो में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गई और ऑटो में रखा सामान धू-धूकर जलने लगा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारों के बीच आग लगने की घटना से आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एनएच-31 पर पहले से ही भीषण जाम लगा हुआ था।

मछली पकड़ने गए चार मछुआरों को रंगदारी नहीं देने पर मारी गोली

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र स्थित सुल्तानपुर दिয়ারा में मछली पकड़ने गए चार मछुआरों के साथ मारपीट और गोलीबारी की घटना सामने आई है। आरोप है कि दियारा में मछली पकड़ने के बदले एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। रुपये देने से इनकार करने पर 8 से 10 लोगों ने मछुआरों को घेर लिया और उनके साथ मारपीट की। इसी दौरान प्रिंस नामक व्यक्ति ने गोली चला दी, जो केवल चौधरी नामक मछुआरे के हाथ में लगी। घटना के बाद घायल को नाव से गंगा पार कर बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर दियारा में चार मछुआरे मछली पकड़ने गए थे।

बहापुत्र मेल में पकड़ा गया संदिग्ध युवक, खुद को बताया बांग्लादेशी



रांची। मालदा रेल मंडल के साहिबगंज-मिर्जाचौकी रेलखंड पर करमटोला रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार रात बहापुत्र मेल में सफर कर रहे एक संदिग्ध युवक को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की स्काउट पार्टी ने हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम मो. सुमन मियां बताते हुए खुद को बांग्लादेश का नागरिक बताया। उसके पास से पाकिस्तानी और नेपाली करेंसी के एक-एक नोट, मोबाइल फोन और यात्रा टिकट बरामद किए गए हैं। बाद में आरपीएफ ने युवक को साहिबगंज रेल थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फर्जी प्राथमिकी के विरोध में ग्रामीणों का हंगामा, चार घंटे ठप रहा आवागमन

रांची/लातेहार। रेशमी मेटालिक कंपनी के खिलाफ शुक्रवार को हजारों ग्रामीणों ने चंदवा-बालूमाथ एनएच-99 पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन पर विरोध करने वालों के खिलाफ फर्जी प्राथमिकी दर्ज कराने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी कंपनी प्रबंधन को मौके पर बुलाने और दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों के सड़क पर डटे रहने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब चार घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार, रेशमी मेटालिक कंपनी गांव में ग्रामसभा की अनुमति के बिना ड्रेन से सर्वे करा रही थी। ग्रामीणों ने जब इसका विरोध किया, तो कंपनी प्रबंधन ने कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी।

योगी और अखिलेश की एक-दूसरे को चुनौती से राजनीतिक हलचल

अयोध्या के जातीय समीकरण में छिपा है संभावित जीत का राज

लखनऊ। एजेंसी

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक पारा चढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि अब खुले मंच से एक-दूसरे को चुनौती दी जा रही है। बड़ी-बड़ी पार्टियों के नेता एक-दूसरे को विधानसभा चुनाव में लड़कार रहे हैं। हालांकि अभी इस ललकार का जवाब भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है। लेकिन इस राजनीतिक चैलेंज ने सूबे की सियासत को नई हवा दे दिया है।

अखिलेश यादव ने अयोध्या में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी को चुनौती देते हुए कहा कि वह पवन पांडेय के खिलाफ चुनाव लड़ जाएं तो मांगें। वहीं सीएम योगी ने काउंटर चैलेंज करते हुए कहा कि चेलों से क्या मुकाबला करना, आइए, हम और आप दोनों अयोध्या से नामांकन करते हैं, फिर देखते हैं। इस सियासी चैलेंज के बाद अब हर किसी के मन में सवाल है कि अगर सच में अयोध्या विधानसभा सीट से अखिलेश यादव और सीएम योगी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ जाएं तो किसकी जीत होगी? हम आपके लिए कुछ अलग-अलग एंगल ढूंढ कर लाए हैं, जिससे आप बस अनुमान लगा सकते हैं कि किसकी जीत होगी, किसको हार मिलेगी।



अयोध्या विधानसभा में कितनी अगड़ी और कितनी पिछड़ी जातियां

अयोध्या सीट के जातीय समीकरण पर छपे चुनाव रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े हैं। 2022 की एक रिपोर्ट में ब्राह्मण मतदाताओं की हिस्सेदारी करीब 22 फीसदी, यादवों की 12 फीसदी और दलितों की 15 फीसदी बताई गई। वहीं एक एजेंसी की रिपोर्ट में ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या करीब 40000 और दलित मतदाता की संख्या करीब 65000 बताई गई थी। इन दोनों ही रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े हैं। इसलिए इस आंकड़े को अनुमानित ही मानें।

45 हजार ब्राह्मण मतदाता

अयोध्या विधानसभा सीट पर 2022 में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्राह्मण मतदाता करीब 45000 थे। वहीं अनुसूचित जातियों की 43 हजार और यादवों की 36 हजार बताई गई थी। यानी कि अयोध्या विधानसभा सीट पर 2022 में ब्राह्मण 11.8 फीसदी, यादव 9.4 फीसदी, दलित और अनुसूचित जातियां 11.3 फीसदी मतदाता थे।

पुंछ में एलओसी के पास मिलीं 5 बारूदी सुरंगें सेना ने किया निष्क्रिय

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना ने पांच बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। शनिवार सुबह सेना की गश्ती टीम को बसोनी टॉप इलाके में सीमा बाड़ के पास दो बारूदी सुरंगें मिलीं। इससे पहले शुक्रवार को इसी इलाके में तीन अन्य बारूदी सुरंगें बरामद हुई थीं। अधिकारियों ने बताया कि एलओसी के अग्रिम इलाकों में घुसपैट रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। हालांकि, भारी बारिश के कारण कई बार ये सुरंगें अपनी जगह से खिसककर जमीन की सतह पर आ जाती हैं जिससे लोगों और सुरक्षाबलों के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

आदि कैलाश में फिर हुई बर्फबारी, बिहार में फसलों को नुकसान

पहाड़ों पर बर्फबारी, मैदानों में बारिश

नई दिल्ली/शिमला/रुद्रप्रयाग

उत्तर भारत के पहाड़ी व मैदानी इलाकों में ओलावृष्टि और बर्फबारी से मौसम में अचानक बदलाव आया है, वहीं पूर्वी और दक्षिणी राज्यों में जोरदार बारिश का सिलसिला जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार में भारी दर्ज की गई है और कई क्षेत्रों में 12 से 20 सेमीटर तक पानी बरसने से फसलों को नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिमोत्तर उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में तेज हवाएं भी चली हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और वायुमंडलीय हलचल के प्रभाव से आया है। हिमाचल प्रदेश के मनाली सहित ऊड़ी घाटी में शनिवार दोपहर बाद बारिश



हुई। रोहतांग सहित कुंजम दर्रा, बारालाचा व शिंकुला सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई है। यहां शुक्रवार रात को भी फाहे गिरे थे। बारिश और बर्फबारी से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और जनजातीय क्षेत्र कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान गिरकर 1.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। राज्य में 16 अक्टूबर तक मौसम खराब रहने का अनुमान है। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और

मैदानी व मध्य पर्वतीय इलाकों में बारिश हो सकती है। 13 और 14 अक्टूबर को लोक स्थानों पर अंधड़ का यलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलाश में शनिवार को भी ताजा हिमपात हुआ। बर्फबारी होने से कैलाश पर्वत के दर्शन नहीं हुए। इससे यात्रियों को निराशा लौटना पड़ा। दोपहर बाद मौसम खुलने से 100 से अधिक यात्रियों ने आदि कैलाश के दर्शन किए। आदि कैलाश क्षेत्र में अब भी तीन से चार फीट बर्फ जमा है। लगातार हो रही बर्फबारी से आदि कैलाश में तापमान माइनस दो से माइनस तीन डिग्री पहुंच गया है। इससे कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

जमीन बेचने को लेकर पिता से हुआ विवाद, पानी के पाइप से पीटकर हत्या

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ के जमीन बेचने के विवाद को लेकर बेटे द्वारा अपने पिता की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 8 अक्टूबर 2026 को मनेन्द्रगढ़ के लालपुर क्षेत्र में ऋषि कुमार सूर्यवंशी अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। प्रारंभिक जांच में उनके शरीर पर चोट के निशान मिले थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। इसके साथ ही गवाहों के बयान दर्ज कर साक्ष्यों की जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि रवि ने जमीन बेचने के लिए अपने पिता पर दबाव बनाया था।

मेट्रो एंकर

मरवाही के संजय नामदेव ने छग की लोक संस्कृति और खानपान की जानकारी साझा की

छग के विष्णुभोग चावल की खूबियां असम तक पहुंची

गुवाहाटी। एजेंसी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और विशिष्ट कृषि उत्पादों की पहचान अब दूसरे राज्यों तक पहुंच रही है। असम के गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के शिक्षक संजय कुमार नामदेव ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारंपरिक खानपान और कला की विशेषताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रसिद्ध विष्णु भोग चावल की खूबियों से भी दूसरे राज्यों के प्रशिक्षार्थियों को परिचित कराया।

केंद्र सरकार के सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली के तत्वावधान



में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 18 राज्यों के 159 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। 14 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से 15 प्रशिक्षार्थी शामिल हुए हैं। इनमें पेंड्रा विकासखंड के शिक्षक संजय कुमार नामदेव जिले का

प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

प्रशिक्षण के दौरान संजय कुमार नामदेव ने छत्तीसगढ़ के राजकीय प्रतीकों, पारंपरिक परिधानों, रहन-सहन, खानपान, प्रमुख त्योहारों, औद्योगिक क्षेत्रों और प्राकृतिक सौंदर्य की जानकारी साझा

की। उन्होंने सुआ, कर्मा और ददरिया जैसी लोक परंपराओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विशिष्टता को सामने रखा। उनकी प्रस्तुति से दूसरे राज्यों से आए प्रशिक्षार्थियों को छत्तीसगढ़ की परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को समझने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम का खास आकर्षण गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का विष्णु भोग चावल रहा। शिक्षक संजय नामदेव ने प्रशिक्षण केंद्र में उपस्थित लोगों को यह चावल भेंट किया और इसकी विशिष्ट सुगंध, स्वाद एवं गुणवत्ता की जानकारी दी। इस पहल के जरिए जिले के विशिष्ट कृषि उत्पाद को असम तक पहुंचाने और छत्तीसगढ़ की कृषि विरासत को व्यापक पहचान

दिलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों को जूट शिल्प, टेराकोटा कला, केन एवं बांस शिल्प, लोक चित्रकला, कठपुतली निर्माण तथा माहम एंड मूवमेंट जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को कला आधारित शिक्षण के नए तरीकों से परिचित कराना है, ताकि वे विद्यार्थियों को भारतीय कला और संस्कृति की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से दे सकें।

जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. और जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने शिक्षक संजय कुमार नामदेव को इस प्रशिक्षण यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।